

टाइगर श्रॉफ की कार पर हुई ताबड़तोड़ फायरिंग

ड्राइवर समेत दो घायल, लॉरेंस गैंग ने ली जिम्मेदारी!

■ जुहू के पुष्पा पार्क में तीन बाइक सवार हमलावरों ने बरसाई गोलियां, अभिनेता सुरक्षित

■ आरोपियों की तलाश में पुलिस की 15 टीमें, कांग्रेस ने फडणवीस सरकार की कानून-व्यवस्था पर उठाए सर्वाल



संवाददाता

मुंबई। फिल्मी पर्व पर दुश्मनों के छक्के छुड़ाने वाले बॉलीवुड के 'एक्शन हीरो' टाइगर श्रॉफ रविवार शाम असल जिंदगी में गोलीबारी की एक सनसनीखेज घटना के बीच फंस गए। मुंबई के पॉश इलाके जुहू स्थित पुष्पा पार्क में अज्ञात हमलावरों ने उनकी कार को निशाना बनाकर गोलियां चला दीं।

इस हमले में टाइगर श्रॉफ बाल-बाल बच गए, लेकिन उनके ड्राइवर और एक ऑटो-रिक्शा चालक के घायल होने की खबर है। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। घटना ने एक बार फिर मायानगरी की सुरक्षा व्यवस्था और संगठित अपराधियों के बढ़ते दुस्साहस पर

गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, टाइगर श्रॉफ रविवार शाम फुटबॉल मैच खेलने के बाद अपने ड्राइवर के साथ घर लौट रहे थे। इसी दौरान उन्हें देखने के लिए आसपास लोगों की भीड़ जमा हो गई। बताया जा रहा है कि मोटरसाइकिल पर सवार तीन अज्ञात हमलावरों ने अचानक उनकी कार पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं और मौके से फरार हो गए। फायरिंग होते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

लॉरेंस गैंग के नाम से सोशल मीडिया पर जिम्मेदारी लेने का दावा

गोलीबारी के बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े बताए जा रहे अनिल पंडित और हरमन संधु के नाम से सोशल

मीडिया पर पोस्ट सामने आई है, जिसमें हमले की जिम्मेदारी लेने का दावा किया गया है। हालांकि, मुंबई पुलिस ने अभी तक इस पोस्ट की प्रामाणिकता या हमले में किसी विशेष गिरोह की संलिप्तता की पुष्टि नहीं की है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि सोशल मीडिया पर किया गया दावा वास्तविक है या किसी ने गैंग के नाम का इस्तेमाल कर दहशत फैलाने की कोशिश की है। हमले के पीछे की वजह भी फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है। घटना के बाद मुंबई पुलिस और क्राइम ब्रांच सक्रिय हो गई हैं। अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, आरोपियों को पकड़ने के

लिए पुलिस की 15 टीमें गठित की गई हैं। जांच अधिकारी घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रहे हैं। हमलावरों की पहचान, मोटरसाइकिल के बारे में जानकारी और उनके भागने के रास्ते का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

कांग्रेस का फडणवीस सरकार पर हमला, पुष्पा-मुंबई में आखिर हो क्या रहा है?

टाइगर श्रॉफ की कार पर गोलीबारी की घटना को लेकर कांग्रेस ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधा है। मुख्यमंत्री के पास राज्य के गृह विभाग की जिम्मेदारी भी है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव सचिन सावंत ने घटना को चौंकाने वाला बताते हुए सवाल उठाया कि आखिर मुंबई में हो क्या रहा है? सावंत ने बाबा सिद्दीकी की हत्या, सलमान खान के आवास के बाहर गोलीबारी और फिल्मी हस्तियों को मिल रही धमकियों का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि मुंबई की कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। उन्होंने मुख्यमंत्री को कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर विफल बताया।

कोलकाता पूजा पंडाल हादसा 18 की मौत, 12 हिरासत में, हाई कोर्ट के जज की निगरानी में एसटीएफ जांच की मांग

संवाददाता

कोलकाता। महासप्तमी की शाम कोलकाता के चोरबगान सार्वजनिक पूजा पंडाल में मची भगदड़ ने भीषण त्रासदी का रूप ले लिया। इस हादसे में रविवार सुबह तक 18 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 25 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। राज्य सरकार ने घटना पर सख्त रुख अपनाते हुए कड़े कदम उठाए हैं। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा में लापरवाही के संदेह में पूजा समिति के आयोजकों और स्वयंसेवकों समेत 12 लोगों को हिरासत में लिया है। मुख्यमंत्री शुभेदु अधिकारी ने स्वास्थ्य मंत्री शारद्वत मुखोपाध्याय के साथ कोलकाता मेडिकल कॉलेज पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। पुलिस और आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, सप्तमी की शाम अचानक तेज बारिश शुरू होने और बाहर भारी ट्रैफिक जाम के कारण सैकड़ों दर्शनार्थियों ने एक साथ पंडाल के अंदर घुसने का प्रयास किया। इसी दौरान अंदर भगदड़ जैसी स्थिति पैदा उठाया कि आखिर मुंबई में हो क्या रहा है? सावंत ने बाबा सिद्दीकी की हत्या, सलमान खान के आवास के बाहर गोलीबारी और फिल्मी हस्तियों को मिल रही धमकियों का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि मुंबई की कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। उन्होंने मुख्यमंत्री को कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर विफल बताया।



स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के गठन की अपील करने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि रविवार को उच्च न्यायालय से इस त्रासदी की न्यायिक जांच का औपचारिक अनुरोध किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने मृतकों के परिजनों को 25 लाख रुपये के अनुग्रह राशि और परिवार के एक सदस्य को ग्रुप-डी की सरकारी नौकरी देने का ऐलान किया है। घायलों को 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी और राज्य सरकार उनके चुने हुए किसी भी निजी अस्पताल में मुफ्त इलाज का पूरा खर्च वहन करेगी। मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी है कि सीसीटीवी फुटेज की सघन जांच की जा रही है और लापरवाही बरतने वाले किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। इस त्रासदी के बीच सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की स्थिति भी सर्वालों के घेरे में आ गई है। कोलकाता मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान जूनियर डॉक्टरों के एक वर्ग ने बुनियादी सुविधाओं के अभाव को लेकर जमकर क्षोभ व्यक्त किया। जूनियर डॉक्टरों का आरोप है कि इतने बड़े और प्रमुख

मेडिकल कॉलेज में कोई आपातकालीन ट्रोमा केयर सेंटर ही नहीं है और न्यूरो सर्जरी विभाग की हालत भी बेहद खराब है। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री के उस कदम पर भी कड़ी आपत्ति जताई जिसमें 7-8 गंभीर मरीजों को आनन-फानन में निजी अस्पतालों में रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों ने अंदेशा जताया है कि ज्यादातर मौतें भीड़ के दबाव में दम घुटने के कारण हुई हैं। इस हृदयविदारक घटना पर पूरे देश में शोक की लहर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। वहीं, बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने घटना के लिए प्रशासन की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की है। विपक्ष के इन हमलों पर पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संवेदनशील समय में राजनीति नहीं की जानी चाहिए।

आतंकी संगठन से संबंध के आरोप में कलबुर्गी से पश्चिम बंगाल का व्यक्ति गिरफ्तार

संवाददाता

कलबुर्गी। कर्नाटक के कलबुर्गी में केंद्रीय खुफिया विभाग और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए आतंकी संगठन से संबंधों के आरोप में पश्चिम बंगाल निवासी एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। राज्य के गृह मंत्री प्रियांक खरगे ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस की गिरफ्त में आए व्यक्ति की पहचान ममताजुल मलीक के रूप में हुई है। आरोप है कि वह सोशल मीडिया के जरिए लश्कर-ए-तैयबा के संपर्क में था और संदेशों के माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारी साझा करता था। ममताजुल मलीक कलबुर्गी के सराफ बाजार में अपने भाई के साथ आभूषण की दुकान पर काम करता था। मामले की जांच के दौरान खुफिया एजेंसियों और पुलिस को उसके कथित संपर्कों के बारे में जानकारी मिली, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। कलबुर्गी में रविवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए गृह मंत्री प्रियांक खरगे ने बताया कि आतंकी संगठनों से संबंध होने



के संदेह में दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई थी। जांच के दौरान उनमें से एक व्यक्ति के आतंकी मलीक के रूप में दर्ज होने की जानकारी सामने आई। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। खरगे ने कहा कि राज्य सरकार इस मामले को गंभीरता से ले रही है। भारत सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर मामले की जांच की जा रही है। गृह मंत्री खरगे ने कहा कि बड़ी संख्या में लोग रोजगार की तलाश में दूसरे राज्यों से कर्नाटक आते हैं। राज्य में आकर काम करना उनका अधिकार है और उन्हें इससे रोकना नहीं जा सकता। हालांकि, राज्य में काम करने वाले दूसरे राज्यों के लोगों के बारे में आवश्यक जानकारी उपलब्ध होना भी जरूरी है।

केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह सलकनपुर पहुंचे, धर्मपत्नी के साथ किए मां विजयासन के दर्शन

संवाददाता

भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार देर शाम अपनी धर्मपत्नी साधना सिंह के साथ सीहोर जिले के सलकनपुर स्थित मां विजयासन धाम पहुंचकर पूजा-अर्चना की। उन्होंने विधि-विधान से माता रानी के दर्शन कर देश और मध्य प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली और जनकल्याण की कामना की। सलकनपुर का मां विजयासन धाम मध्य प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शामिल है। नवरात्रि के दौरान यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। शनिवार को शिवराज सिंह चौहान नवरात्रि की सप्तमी पर मां विजयासन धाम पहुंचे। उन्होंने माता रानी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और प्रदेश की जनता की खुशहाली की कामना की। दर्शन के दौरान केंद्रीय मंत्री ने धाम में मौजूद भाजपा नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। सलकनपुर स्थित मां विजयासन धाम



में निर्माणाधीन देवीलोक परियोजना को लेकर भी बातचीत की गई। दर्शन के बाद केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि मां विजयासन सभी को सद्बुद्धि दें, जिससे हर व्यक्ति सत्य और सवांग पर चलते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करे। उन्होंने विकसित भारत के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि सभी को देश की प्रगति के लिए अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के कल्याण की जिम्मेदारी तो है

ही, लेकिन दुनिया में जिस तरह की परिस्थितियां बन रही हैं, उनमें भी भारत से उम्मीदे जुड़ी हुई हैं। मां विजयासन धाम पहुंचने पर केंद्रीय मंत्री का भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने स्वागत-सत्कार किया। इस दौरान उन्होंने सलकनपुर में विकसित हो रहे देवीलोक का निरीक्षण भी किया। मंदिर परिसर और आसपास चल रहे विकास कार्यों का उद्देश्य श्रद्धालुओं को बेहतर धार्मिक एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना है।

सिक्किम के नवनियुक्त राज्यपाल दुष्यंत कुमार गौतम आज लेंगे शपथ

संवाददाता

गंगटोक। केरल का राज्यपाल नियुक्त किए जाने के बाद सिक्किम के निवर्तमान राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर रविवार को सिक्किम से रवाना हो गए। उनके विदाई के अवसर पर शनिवार शाम सम्मान भवन में रात्रिभोज का आयोजन किया गया, जबकि रविवार सुबह लोक भवन में अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें औपचारिक विदाई दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने राज्यपाल माथुर के प्रति गहरा सम्मान, आभार और शुभकामनाएं व्यक्त कीं। मुख्यमंत्री ने रविवार को सोशल मीडिया के माध्यम से राज्यपाल माथुर द्वारा अपने कार्यकाल के दौरान सिक्किम की जनता को दिए गए अमूल्य मार्गदर्शन, आत्मीयता और अटूट प्रतिबद्धता के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सिक्किम की जनता के प्रति माथुर का स्नेह और राज्य के विकास तथा जनकल्याण के क्षेत्र में उनका योगदान गहरी छाप छोड़



गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके योगदान को हमेशा सम्मान के साथ याद किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यपाल माथुर ने संवैधानिक प्रमुख की जिम्मेदारी निभाने के साथ-साथ एक मार्गदर्शक और शुभचिंतक के रूप में भी जनता का विश्वास और स्नेह हासिल किया। उनके संवेदनशील दृष्टिकोण, गरीबों और वंचित वर्गों के प्रति चिंता तथा सिक्किम के ऐतिहासिक स्वर्ण जयंती समारोह के दौरान दिए गए महत्वपूर्ण मार्गदर्शन ने राज्य और यहां की जनता पर स्थायी छाप छोड़ी है।

मतदाता सूची सच करने योग्य प्रारूप में देने के फैसले पर कांग्रेस ने उठाए सर्वाल

संवाददाता

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने चुनाव आयोग की ओर से राजनीतिक दलों को मतदाता सूची सच करने योग्य प्रारूप में उपलब्ध कराने के फैसले को लेकर केंद्र सरकार और आयोग पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पिछले दो वर्षों से यह मांग कर रहे थे, लेकिन आयोग ने इसे स्वीकार नहीं किया। रमेश ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग दोहराते हुए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को तत्काल पुनरीक्षण (एसआईआर) को तत्काल रोकने और चुनाव आयोग की सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली में व्यापक बदलाव की मांग की। जयराम रमेश ने रविवार



को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि चुनाव आयोग ने 15 अक्टूबर को आदेश जारी कर 17 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में दो साल के अंतराल के बाद शुरू हुए विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) के लिए राजनीतिक दलों को मतदाता सूची सच करने योग्य प्रारूप में देने का फैसला किया है। कांग्रेस लंबे समय से सभी राजनीतिक दलों को इस प्रारूप में मतदाता सूची उपलब्ध कराने की मांग कर रही थी, लेकिन

आयोग ने इसे बार-बार खारिज किया। रमेश ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने वर्ष 2018 में मध्य प्रदेश में कांग्रेस की ओर से कथित फर्जी मतदाताओं का मामला उठाए जाने के बाद मतदाता सूची का सच करने योग्य प्रारूप देना बंद कर दिया था। इससे राजनीतिक दलों के लिए मतदाता सूची की जांच करना मुश्किल हुआ और इस व्यवस्था का इस्तेमाल करने के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त को पद छोड़ना चाहिए। साथ ही केवल उनके इस्तीफे से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि चुनाव आयोग और उसकी सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली में व्यापक सुधार की जरूरत है।

बाबा रामदेव ने हेमंत सोरेन को बताया 'लेजेंडरी मुख्यमंत्री'

संवाददाता

रामगढ़। योग गुरु बाबा रामदेव ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को 'लेजेंडरी मुख्यमंत्री' बताते हुए कहा कि वह पुरुषार्थ और अदम्य साहस के साथ अपने पुरखों की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक परंपराओं का निर्वहन करते हुए वह आदिवासी समाज के साथ-साथ सर्वसमाज को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। बाबा रामदेव रविवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पैतृक गांव नेमरा पहुंचे थे। यहां उन्होंने मुख्यमंत्री की माता रूपी सोरेन को श्रद्धांजलि दी और शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। मीडिया से बातचीत में बाबा रामदेव ने कहा कि रूपी सोरेन शक्ति स्वरूपा थीं। वह स्वर्गीय शिबू सोरेन की आत्मा और पूरे परिवार को एक सूत्र में बांधकर रखती थीं। पहले शिबू सोरेन और अब



रूपी सोरेन का निधन सोरेन परिवार के लिए बड़ी क्षति है। उन्होंने कहा कि रूपी सोरेन ने केवल अपने परिवार को ही नहीं, बल्कि पूरे झारखंड को अपना परिवार माना। बाबा रामदेव ने कहा कि हेमंत सोरेन के लिए उनकी मां रूपी सोरेन देवी स्वरूप थीं। मुख्यमंत्री अपने पिता शिबू सोरेन और पुरखों की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। उनका अदम्य

साहस उन्हें एक 'लेजेंडरी मुख्यमंत्री' के रूप में स्थापित करता है। बाबा रामदेव ने कहा कि हेमंत सोरेन आदिवासी समाज से लेकर सर्वसमाज तक को साथ लेकर चल रहे हैं। झारखंड को हेमंत सोरेन के लिए उनकी मां रूपी सोरेन देवी स्वरूप थीं। मुख्यमंत्री अपने पिता शिबू सोरेन और पुरखों की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। उनका अदम्य

साहस उन्हें एक 'लेजेंडरी मुख्यमंत्री' के रूप में स्थापित करता है। बाबा रामदेव ने कहा कि हेमंत सोरेन आदिवासी समाज से लेकर सर्वसमाज तक को साथ लेकर चल रहे हैं। झारखंड को हेमंत सोरेन के लिए उनकी मां रूपी सोरेन देवी स्वरूप थीं। मुख्यमंत्री अपने पिता शिबू सोरेन और पुरखों की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। उनका अदम्य

संपादकीय



बेरोजगारी और युवाओं का भविष्य

भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में शामिल है। देश की बड़ी आबादी में युवाओं की हिस्सेदारी भारत के लिए एक बड़ी ताकत मानी जाती है। युवा अपनी मेहनत, प्रतिभा और नए विचारों के दम पर देश की अर्थव्यवस्था को गति दे सकते हैं। लेकिन जब यही युवा रोजगार की तलाश में वर्षों तक भटकते हैं, तो यह स्थिति न केवल उनके व्यक्तिगत भविष्य के लिए चिंता का विषय बनती है, बल्कि देश के सामाजिक और आर्थिक विकास के सामने भी गंभीर चुनौती खड़ी करती है। बेरोजगारी आज भारत की प्रमुख समस्याओं में से एक है, जिसका समाधान केवल सरकारी नौकरियों की संख्या बढ़ाने से नहीं, बल्कि रोजगार के व्यापक अवसर पैदा करने से ही संभव है। हर साल लाखों युवा विश्वविद्यालयों और कॉलेजों से डिग्रियां लेकर निकलते हैं। इनमें इंजीनियर, डॉक्टर, स्नातक, तकनीकी विशेषज्ञ और विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के विद्यार्थी शामिल हैं। इसके बावजूद बड़ी संख्या में युवाओं को उनकी योग्यता और अपेक्षाओं के अनुरूप नौकरी नहीं मिल पाती। कई युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में वर्षों लगा देते हैं। सरकारी पदों की सीमित संख्या, भर्ती प्रक्रियाओं में देरी और परीक्षाओं के आयोजन से जुड़ी समस्याएं उनकी परेशानी बढ़ाती हैं। दूसरी ओर, निजी क्षेत्र में उपलब्ध नौकरियों के लिए अनुभव, तकनीकी कौशल और विशेष योग्यताओं की मांग कई नए उम्मीदवारों के सामने बाधा बन जाती है। बेरोजगारी की समस्या का एक महत्वपूर्ण कारण शिक्षा और रोजगार बाजार के बीच तालमेल की कमी भी है। कई संस्थानों में पढ़ाई पूरी करने के बाद युवाओं के पास सैद्धांतिक ज्ञान तो होता है, लेकिन व्यावहारिक अनुभव और उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप कौशल की कमी रह जाती है। तेजी से बदलती तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्वचालन के विस्तार ने रोजगार की प्रकृति को भी बदल दिया है। ऐसे में युवाओं के लिए केवल डिग्री हासिल करना पर्याप्त नहीं है। उन्हें डिजिटल तकनीक, संचार, समस्या समाधान और व्यावसायिक कौशल में भी दक्ष होना होगा। शिक्षा व्यवस्था में इन जरूरतों को प्राथमिकता देना समय की मांग है। बेरोजगारी का प्रभाव केवल आर्थिक स्थिति तक सीमित नहीं रहता। नौकरी नहीं मिलने पर युवाओं में निराशा, आत्मविश्वास की कमी और भविष्य को लेकर अनिश्चितता बढ़ सकती है। परिवारों पर आर्थिक दबाव पड़ता है और विवाह, घर खरीदने तथा स्वतंत्र जीवन शुरू करने जैसे फैसले टल जाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के सीमित अवसरों के कारण बड़ी संख्या में युवा शहरों की ओर पलायन करते हैं। वहां भी पर्याप्त और स्थायी रोजगार नहीं मिलने पर उन्हें कम वेतन, असुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों और महंगे जीवनयापन का सामना करना पड़ता है। इससे सामाजिक असमानता और आर्थिक असुरक्षा बढ़ने का खतरा रहता है। इस चुनौती से निपटने के लिए सरकार, उद्योग जगत और शैक्षणिक संस्थानों को मिलकर काम करना होगा। केवल रोजगार के आंकड़ों पर ध्यान देने के बजाय यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि युवाओं को स्थायी, सुरक्षित और सम्मानजनक काम मिले। लघु एवं मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहन, विनिर्माण क्षेत्र का विस्तार, ग्रामीण उद्योगों का विकास और पर्यटन जैसे रोजगारपरक क्षेत्रों में निवेश नए अवसर पैदा कर सकता है। स्टार्टअप और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के साथ युवाओं को आसान ऋण, प्रशिक्षण और बाजार तक पहुंच उपलब्ध कराना भी आवश्यक है। इसके अलावा, भर्ती प्रक्रियाओं को समयबद्ध और पारदर्शी बनाना जरूरी है। सरकारी रिक्तियों को समय पर भरने, कौशल प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुधारने और प्रशिक्षु कार्यक्रमों का विस्तार करने से युवाओं को लाभ मिल सकता है। स्कूल और कॉलेज स्तर पर ही विद्यार्थियों को करियर संबंधी मार्गदर्शन दिया जाना चाहिए, ताकि वे अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार रोजगार के विकल्प चुन सकें। महिलाओं के लिए सुरक्षित कार्यस्थल, सुविधाजनक परिवहन और सम्मान अवसर सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि रोजगार में उनकी भागीदारी बढ़ने से परिवारों और अर्थव्यवस्था दोनों को लाभ मिल सकता है।

बालाघाट का दशहरा: जब साकार होते हैं श्रीराम और महावीर

हेमेन्द्र क्षीरसागर

मां दुर्गा और प्रभु श्रीराम की असीम कृपा से मध्यप्रदेश के हृदयस्थल बालाघाट में विगत 64 वर्षों से महावीर सेवादल समिति द्वारा दशहरा पर्व पर अनूठे चल समारोह की परंपरा निभाई जा रही है। यह आयोजन केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि आस्था, साधना और लोकसंस्कृति का ऐसा संगम है। जिसने बालाघाट के दशहरे को विशिष्ट पहचान दी है। चल समारोह में भगवान श्रीराम की शोभायात्रा के साथ महावीर अर्थात रामभक्त हनुमान का स्वरूप धारण किए साधक नगर भ्रमण करते हैं। लगभग 40 किलो वजनी मुकुट सिर पर धारण किए साधक के पीछे उनकी सेना जय भवानी, जय श्रीराम और जयवीर महावीर के जयघोष के साथ आगे बढ़ती है। नगर की सड़कों के दोनों ओर हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए उमड़ते हैं। उस समय का दृश्य ऐसा प्रतीत होता है, मानो कुछ क्षणों के लिए पवनपुत्र हनुमान स्वयं धरती पर अवतरित हो गए हैं।

नेत्रन देखी रामलीला

स्तुत्य, हनुमान स्वरूप धारण करना केवल धार्मिक वेशभूषा धारण करना नहीं, बल्कि कठोर साधना और संयम की प्रक्रिया है। प्रतिवर्ष सैकड़ों युवा इसके लिए अपनी इच्छा व्यक्त करते हैं, लेकिन समिति द्वारा किसी एक साधक का चयन किया जाता है। चयन के बाद वह साधक निर्धारित अवधि तक ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए स्वयं को प्रभु आराधना में समर्पित करता है। परंपरा के अनुसार साधक लगभग 40 दिनों तक सांसारिक जीवन से विरत रहकर मंदिर में साधना करता है। व्रत रखता है। सीमित आहार ग्रहण करता है, भूमि पर रखता है। राम नाम का जाप करते हुए स्वयं को हनुमान स्वरूप धारण करने के लिए तैयार करता है। दशहरा से एक दिन पूर्व मुकुट धारण कर नगर का अर्द्धभ्रमण और दशहरे के दिन मुख्य चल समारोह में नगर परिक्रमा इस साधना का प्रमुख हिस्सा है। श्रद्धालुओं के लिए यह



क्षण आस्था का चरम होता है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम और संकटमोचक हनुमान के स्वरूप का यह साक्षात दर्शन मानो नैनन देखी रामलीला का अनुभव करा देता है।

पानीपत से जुड़ी परंपरा

आलोकित, हनुमान स्वरूप धारण कर नगर परिक्रमा की यह परंपरा केवल बालाघाट तक सीमित नहीं है। हरियाणा के पानीपत में भी इसकी एक पुरानी और समृद्ध परंपरा रही है। जिसकी कड़ी अविभाजित भारत के उस क्षेत्र से जुड़ती है, जो आज पाकिस्तान में है। परंपरागत विवरणों के अनुसार, मुजफ्फरगढ़ के लथ्वा क्षेत्र में लगभग आठ दशक पहले श्री गुरु प्यारालाल झाम्ब के मार्गदर्शन में नवरात्र के दौरान हनुमान स्वरूप धारण कर नगर परिक्रमा की शुरुआत हुई थी। वर्ष 1941 में श्री गुरु प्यारालाल झाम्ब और श्री बालूराम द्वारा हनुमान सभा का गठन किए जाने। हनुमान स्वरूप के लिए विशेष मुकुट तैयार किए

जाने का उल्लेख मिलता है।

विभाजन के समय मुकुट भारत ले आए

बेला में भगत दुलीचंद महाराज, जो गुरु प्यारालाल झाम्ब के शिष्य थे, ने वहां वर्षों तक हनुमान स्वरूप धारण कर नगर परिक्रमा की। भारत विभाजन के समय वे हनुमान जी का मुकुट अपने साथ भारत ले आए। कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने उसे अपनी आस्था का प्रतीक मानकर सुरक्षित रखा और पानीपत पहुंचे। विभाजन के बाद पानीपत में उन्होंने नवरात्र के दौरान हनुमान स्वरूप धारण कर नगर परिक्रमा की परंपरा को पुनः आरंभ किया। उनके शिष्यों किशनलाल दीवान, मोहनलाल, लुधियचंद दीवान, अथरचंद दीवान और नोताराम चावला सहित अनेक श्रद्धालुओं ने इसे आगे बढ़ाया। समय के साथ यह परंपरा पानीपत और देश के अन्य शहरों तक भी पहुंची। इसी व्यापक धार्मिक-सांस्कृतिक परंपरा की एक महत्वपूर्ण कड़ी बालाघाट में दिखाई देती है। जहां

महावीर सेवादल समिति ने इसे सात दशकों से अधिक समय से श्रद्धा और अनुशासन के साथ जीवित रखा है।

सेवा और समर्पण की पीढ़ियां

अद्भुत, ऐसी परंपराएं केवल साधक की तपस्या से नहीं, बल्कि अनेक समर्पित सेवादारों के योगदान से पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवित रहती हैं। भगत दुलीचंद महाराज के सुपुत्र स्वर्गीय चरणजीत चावला और कालूराम चावला ने लंबे समय तक सभा में प्रमुख सेवादार के रूप में योगदान दिया। वेदप्रकाश गांधी भी सभा की स्थापना से लगातार अपनी सेवाएं देते रहे हैं। वर्तमान में भगत दुलीचंद महाराज के पौत्र संजय महाराज सभा के प्रमुख सेवादारों में हैं। उनके भ्राता हरिश महाराज (सोनु) और रमेश नारंग भी इस धार्मिक परंपरा के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सभा का संकल्प इस विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक उसी श्रद्धा और अनुशासन के साथ पहुंचाना है।

अनूठी परंपरा की शक्ति

अभिभूत, बालाघाट का दशहरा चल समारोह आज एक धार्मिक आयोजन से कहीं आगे बढ़कर जिले की सांस्कृतिक पहचान बन चुका है। आधुनिकता के दौर में जब अनेक पारंपरिक आयोजन अपना मूल स्वरूप खोते जा रहे हैं। तब यहां की यह परंपरा आस्था और लोकसंस्कृति को जीवित बनाए हुए है। हनुमान स्वरूप धारण करने वाले साधक की तपस्या, श्रीराम की शोभायात्रा, जयघोष करते श्रद्धालु और दर्शन के लिए उमड़ता जनसमुदाय सब मिलकर दशहरे को एक ऐसे आध्यात्मिक अनुभव में बदल देते हैं। जिसे केवल देखा नहीं, महसूस किया जाता है। बालाघाट का दशहरा इसलिए विशिष्ट है कि यहां रावण दहन के साथ मर्यादा, भक्ति, शक्ति, धारण करने वाली की जीवंत परंपरा भी दिखाई देती है। श्रीराम आदर्श का संदेश देते हैं और महावीर हनुमान सेवा, साहस तथा समर्पण का। यही इस अनूठी परंपरा की सबसे बड़ी शक्ति है।

या संवैधानिक व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने का समर्थन भी नहीं किया जा सकता। भारत की लोकतांत्रिक शक्ति उसकी जनता, संविधान और संस्थाओं में निहित है। यहां सत्ता परिवर्तन का अधिकार जनता को है और उस अधिकार की रक्षा करना प्रत्येक राजनीतिक दल का कर्तव्य है। 'रिजोम चेंज जैसी बहसों में शब्दों से अधिक महत्वपूर्ण उनका आशय और अपनाया जाने वाला रास्ता है। यदि उद्देश्य जनहित में शासन सरकार बदलना है, तो वह लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है। लेकिन यदि उद्देश्य भीड़ के दबाव से संवैधानिक व्यवस्था को अस्थिर करना है, तो



एल.आई.सी
भारतीय जीवन बीमा
से संबंधित किसी भी
जानकारी या समस्या
समाधान हेतु संपर्क करें।
-भारत सिंह
मो. 9967255741

महत्वपूर्ण सूचना

विज्ञापन प्रति के स्वीकृति
पूर्व एहतियातन बरती जाने
के बावजूद, उसमें अंतर्भूत
बाते जाँचना संभव नहीं है।
ऐसी अंतर्भूत बातों के लिए
दैनिक स्वर्णिम प्रदेश के अंतर्गत
समाचार पत्र या प्रकाशनों में
आनेवाली कंपनियां, संस्थाएं या
व्यक्तिगत विज्ञापनों के साथ
हुए किसी भी प्रकार के व्यवहार
के लिए समाचार
पत्र जिम्मेदार नहीं है।



**आज का
राशिफल**



मेघ: आय में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में सुख-शांति रहेगी। जल्दबाजी न करें। पुराना रोग उभर सकता है। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। विरोधी सक्रिय रहेंगे।

वृषभ: पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। कुसंगति से बचें। निवेश शुभ रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। व्यवसाय में ध्यान देना पड़ेगा।

मिथुन: आय में निश्चितता रहेगी। शत्रुभय रहेगा। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कर्क: प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। शत्रु पस्त होंगे। विवाद में न पड़ें। अपेक्षाकृत कार्य समय पर होंगे। प्रसन्नता रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी।

सिंह: परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। स्थायी संपत्ति से बड़ा लाभ हो सकता है। समय पर कर्ज चुका पाएंगे। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे। निवेश शुभ फल देगा। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी, ध्यान रखें। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या: मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। समय की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। लाभ होगा।

तुला: मेहनत अधिक व लाभ कम होगा। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएँ। शत्रुओं की पराजय होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी। दूर से बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। बेवजह तनाव रहेगा। फालतू बातों पर ध्यान न दें।

वृश्चिक: जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। निवेश लाभदायक रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में मनोकूल लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। निवेश शुभ रहेगा। व्यस्तता रहेगी। कीमती वस्तुएं संपालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

धनु: व्यापार मनोकूल लाभ देगा। जोखिम बिलकुल न लें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। बड़ा काम करने का मन बनेगा। झंझटों से दूर रहें। कानूनी अड़चन का सामना करना पड़ सकता है। फालतू खर्च होगा।

मकर: बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबारी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। आशंका-कुशंका रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। लापरवाही न करें। कीमती वस्तुएं संपालकर रखें। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति संभव है।

कुंभ: व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय होगी। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचित व्यक्तियों पर अंधविश्वास न करें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। संतुष्टि नहीं होगी।

मीन: उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। कारोबारी सौदे बड़े हो सकते हैं।

मुंबई में फुटपाथों पर अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं बीएमसी आयुक्त अश्विनी भिडे ने दिए सरख्त कार्रवाई के निर्देश

संवाददाता
मुंबई। मुंबई में फुटपाथों पर बढ़ते अतिक्रमण और सार्वजनिक स्थानों पर अवैध विज्ञापन लगाने वालों के खिलाफ बृह-मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) ने कार्रवाई तेज कर दी है। शनिवार को महानगरपालिका आयुक्त अश्विनी भिडे ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि फुटपाथ केवल पैदल यात्रियों की सुरक्षित और सुविधाजनक आवाजाही के लिए हैं। इन पर दुकानें, स्टॉल लगाने अथवा सामान रखकर रास्ता बाधित करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रखी जाए। आयुक्त अश्विनी भिडे ने वर्ली स्थित कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में आयोजित बीएमसी के विभिन्न विभागों की मासिक समीक्षा बैठक के दौरान ये निर्देश दिए। बैठक में फुटपाथों से अतिक्रमण हटाने, अवैध विज्ञापन सामग्री के खिलाफ कार्रवाई, वायु प्रदूषण नियंत्रण और महानगरपालिका की प्रशासनिक व्यवस्था को डिजिटल बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की गई।

26 वाडों में 399 फुटपाथों से हटाया गया अतिक्रमण
आयुक्त भिडे ने बताया कि बीएमसी के 'पैदल यात्री पहले' (Pedestrian First) अभियान के प्रथम चरण में मुंबई के सभी 26 प्रशासनिक विभागों के अंतर्गत 399 फुटपाथों से अतिक्रमण हटाया गया है। महानगरपालिका के अनुसार, इस अभियान के तहत लगभग 500 किलोमीटर



लंबाई के सड़क मार्गों को पैदल यात्रियों की आवाजाही के लिए बाधामुक्त किया गया है। अब तक कुल 2,803 अतिक्रमणों और फेरीवालों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। यह कार्रवाई मुख्य रूप से अस्पतालों, स्कूलों, महाविद्यालयों, रेलवे स्टेशनों, बस स्टेशनों और अन्य सार्वजनिक स्थानों के आसपास की गई है, ताकि पैदल यात्रियों, विद्यार्थियों, मरीजों और आम नागरिकों को आवागमन में परेशानी न हो। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई केवल एक बार तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। फुटपाथों पर दोबारा कब्जा करने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाए।

मुंबई से 52,448 अवैध बैनर, फ्लेक्स और पोस्टर हटाए
मुंबई में सार्वजनिक स्थानों पर अवैध विज्ञापन सामग्री लगाने वालों के खिलाफ

भी बीएमसी ने व्यापक अभियान चलाया है। महानगरपालिका की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ दिनों में मुंबई के विभिन्न हिस्सों से कुल 52,448 बैनर, फ्लेक्स और पोस्टर हटाए गए हैं। इसके अतिरिक्त 8 से 16 अक्टूबर 2026 के बीच चलाए गए नौ दिवसीय विशेष अभियान में पूरे मुंबई महानगर से 3,537 अनधिकृत विज्ञापन सामग्री जब्त की गई। आयुक्त अश्विनी भिडे ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर अनधिकृत विज्ञापन लगाने से शहर की सुंदरता प्रभावित होती है और नियमों का उल्लंघन होता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अवैध विज्ञापन फलक लगाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने और विशेष अभियान लगातार जारी रखने के निर्देश दिए।

वायु प्रदूषण नियंत्रण के उपायों की भी समीक्षा

बांद्रा में 14 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

कुरैशी नगर ग्राउंड के पास देर रात कार्रवाई, 2.10 लाख रुपये की मेफेड्रोन बरामद



इंद्र यादव
मुंबई। बांद्रा पुलिस स्टेशन की डिटेक्शन टीम ने देर रात गश्त के दौरान एमडी ड्रग्स की कथित खरीद-बिक्री से जुड़े मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 14 ग्राम मेफेड्रोन (MD) बरामद करने का दावा किया है, जिसकी कीमत करीब 2.10 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, 16 अक्टूबर 2026 की रात करीब 3:15 बजे बांद्रा पश्चिम के एस.वी. रोड स्थित कुरैशी नगर ग्राउंड के पास पेड्रोलिंग के दौरान 32 वर्षीय कलीम शमीम शेख की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। तलाशी लेने पर उसके पास से कथित तौर पर 14 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुईं। इसके बाद पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट, 1985

दिव्यांगों को अवसर मिले तो वे बन सकते हैं समाज की ताकत: राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा

संवाददाता
मुंबई। महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने शनिवार को कहा कि दिव्यांग व्यक्तियों की क्षमताओं को पहचानकर उन्हें उचित अवसर, प्रोत्साहन और सम्मान दिया जाए तो वे आत्मनिर्भर बनकर समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने व्यावसायिक संस्थाओं से अपने कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (CSR) फंड के माध्यम से दिव्यांगों से जुड़े उपक्रमों को सहयोग देने का आह्वान किया। राज्यपाल बोरीवली स्थित ओबेरॉय स्काइसिटी मॉल में शारीरिक, बौद्धिक और मानसिक रूप से दिव्यांग वयस्कों द्वारा संचालित 'मिट्टी कैफे' के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह कैफे दिव्यांग व्यक्तियों को रोजगार, कौशल और आत्मविश्वास का मंच देने वाला सामाजिक समावेशन का प्रेरणादायी उदाहरण है। इस अवसर पर विधायक अतुल भातखलकर, पूर्व विधायक सुभाष पासी, वरिष्ठ पत्रकार कुमार राकेश, मिट्टी कैफे की संस्थापक अलिना आलम, स्काइसिटी मॉल की मुख्य कार्यकारी अधिकारी तनु प्रसाद, 'प्रोजेक्ट मुंबई' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शिशिर जोशी और मिट्टी कैफे की निदेशक लता नायक सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। राज्यपाल

बोरीवली स्थित ओबेरॉय स्काइसिटी मॉल में दिव्यांगों द्वारा संचालित 'मिट्टी कैफे' का उद्घाटन



ने बताया कि मिट्टी कैफे के प्रतिष्ठान राष्ट्रपति भवन, सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय तथा मुंबई, बेंगलुरु और नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर संचालित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र लोकभवन में भी इसी तरह का कैफे शुरू करने की संभावनाओं पर विचार किया जाएगा। राज्यपाल ने बौद्धिक दिव्यांगता वाले सदस्यों द्वारा तैयार केक काटा और कैफे में पहली ऑर्डर भी दी। उन्होंने कहा कि सामाजिक बदलाव के लिए केवल सहानुभूति अधिकारी तनु प्रसाद, 'प्रोजेक्ट मुंबई' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शिशिर जोशी और मिट्टी कैफे की निदेशक लता नायक सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। राज्यपाल

महाविकास आघाड़ी में गुटबाजी, विधान परिषद की पांचों सीटों पर महायुति की जीत होगी: मुख्यमंत्री फडणवीस

संवाददाता
नागपुर। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को विधान परिषद के स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों की पांच सीटों पर महायुति की जीत का विश्वास जताया है। उन्होंने विपक्षी महाविकास आघाड़ी पर निशाना साधते हुए कहा कि महाविकास आघाड़ी शुरू से ही विभाजित रही है और उसमें बड़े पैमाने पर गुटबाजी दिखाई देती है, जबकि भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति के सभी सहयोगी दल एकजुट होकर चुनावी तैयारियों में जुटे हैं। पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि विधान परिषद के स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव में भाजपा, शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, आरपीआई और अन्य सहयोगी दल समन्वय के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि महाविकास आघाड़ी में ऐसा तालमेल दिखाई नहीं देता।

नागपुर में सुधाकर कोहळे के पक्ष में महायुति एकजुट
मुख्यमंत्री ने कहा कि नागपुर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में सुधाकर कोहळे महायुति के उम्मीदवार हैं। भाजपा सहित सभी सहयोगी दल उनके समर्थन में काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि एक बैठक में शिक्षा क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा किए गए मिलावा, चूहों और कॉकरोच की मौजूदगी, खाद्य सामग्री का अनुचित भंडारण और कोल्टेज चैन से जुड़ी खामियां पाई गईं। दोनों प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित कर संबंधित पुलिस थानों में प्राथमिकी दर्ज की गई है।



प्रतिनिधियों से भी चर्चा की जाएगी।

अमरावती में किरण सरनाईक, पुणे में डॉ. स्मिता जाधव को समर्थन
अमरावती निर्वाचन क्षेत्र के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि किरण सरनाईक महायुति के उम्मीदवार हैं और भाजपा पूरी मजबूती से उनके साथ खड़ी है। वहीं, पुणे स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में डॉ. स्मिता जाधव महायुति की उम्मीदवार हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार, भाजपा, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी सहित सभी सहयोगी दल उनके समर्थन में चुनावी कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुणे के कुछ क्षेत्रों में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का अच्छा प्रभाव है। सुनेत्रा पवार ने स्वयं बैठक लेकर कार्यकर्ताओं को चुनावी तैयारियों में सक्रिय किया है। शिवसेना के कार्यकर्ता भी चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं।

पुणे शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में मैत्रीपूर्ण मुकाबला
पुणे शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में महायुति के सहयोगी दलों के बीच मैत्रीपूर्ण मुकाबले

दिवाली पर विदेश भेजें घर का बना फराल, डाक विभाग ने शुरू की विशेष अंतरराष्ट्रीय पार्सल सुविधा

संवाददाता
मुंबई। दिवाली के अवसर पर विदेशों में रहने वाले अपने बच्चों, रिश्तेदारों और मित्रों को घर का बना पारंपरिक फराल (व्यंजनों) भेजने वालों के लिए भारतीय डाक विभाग ने विशेष सुविधा उपलब्ध कराई है। महाराष्ट्र डाक परिमंडल ने अंतरराष्ट्रीय पार्सल सेवा के माध्यम से चकली, चिवड़ा, लड्डू, करंजी और शंकरपाले जैसे पारंपरिक दिवाली व्यंजन विदेश भेजने की व्यवस्था की है। विभाग के अनुसार, इस पहल को नागरिकों से अच्छा प्रतिस्ा मिल रहा है। महाराष्ट्र डाक परिमंडल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल रामचंद्र जायभाये ने नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए विदेशों में रहने वाले परिजनों तक घर का बना फराल और उपहार भेजने के लिए डाक विभाग की अंतरराष्ट्रीय पार्सल सेवा का लाभ उठाने की अपील की है। डाक विभाग के अनुसार, 10 किलो पार्सल भेजने का शुल्क जापान के लिए 4,797 रुपये, जर्मनी के लिए 5,876 रुपये, यूनाइटेड किंगडम के लिए 6,461 रुपये, फ्रांस के लिए 6,638 रुपये, रूस के लिए 6,750 रुपये, अमेरिका के लिए 9,051 रुपये, कनाडा के लिए 9,676 रुपये और ऑस्ट्रेलिया के लिए 11,912 रुपये निर्धारित किया गया है। महाराष्ट्र के सभी जीपीओ, मुख्य डाकघरों और चयनित डाकघरों में पार्सल पैकिंग की



सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। प्रमुख डाकघरों में फराल के डिब्बों की तेजी से पैकिंग के लिए आवश्यक उपकरण लगाए गए हैं, जिससे पार्सल कुछ ही मिनटों में तैयार किया जा सकता है। व्यस्त नागरिकों के लिए पोस्टमैन के माध्यम से 4,797 रुपये, जर्मनी के लिए 5,876 रुपये, यूनाइटेड किंगडम के लिए 6,461 रुपये, फ्रांस के लिए 6,638 रुपये, रूस के लिए 6,750 रुपये, अमेरिका के लिए 9,051 रुपये, कनाडा के लिए 9,676 रुपये और ऑस्ट्रेलिया के लिए 11,912 रुपये निर्धारित किया गया है। महाराष्ट्र के सभी जीपीओ, मुख्य डाकघरों और चयनित डाकघरों में पार्सल पैकिंग की

डिक्लेरेशन फॉर्म में प्रत्येक खाद्य पदार्थ का सही विवरण और संबंधित HSN कोड दर्ज करने की सलाह दी है। यदि पार्सल में कपड़े या अन्य उपहार भी हों, तो उनका मूल्य और HSN कोड अलग-अलग दर्ज करना जरूरी है, ताकि सीमा शुल्क जांच के दौरान अनावश्यक देरी न हो। मुख्य पोस्टमास्टर जनरल रामचंद्र जायभाये ने कहा कि पोस्ट ऑफिस केवल पत्र और पार्सल भेजने का माध्यम नहीं, बल्कि दूर रहने वाले अपनों से रिश्ते जोड़ने का भरोसेमंद जरिया भी है। उन्होंने नागरिकों से इस दिवाली अंतरराष्ट्रीय पार्सल सेवा का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।

सांताक्रूज में डॉ. दिनेशकुमार के काव्य संग्रह 'छंद पंचामृत' का भव्य लोकार्पण



संवाददाता
मुंबई। सांताक्रूज स्थित पब्लिक स्कूल, कॉलेज एवं विधि महाविद्यालय के सभागार में डॉ. दिनेशकुमार रचित काव्य संग्रह 'छंद पंचामृत' का भव्य लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। हिंद सेवा परिषद द्वारा संचालित पब्लिक स्कूल, कॉलेज एवं विधि महाविद्यालय, नीलम पब्लिकेशन तथा साहित्य संगम संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस साहित्यिक समारोह की अध्यक्षता प्रख्यात चिंतक वीरेंद्र याज्ञिक ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुंबई विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर एवं अध्यक्ष तथा रक्षा विशेषज्ञ डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पब्लिक कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राकेश दुबे तथा सम्माननीय अतिथि के रूप में विष्णु दत्त ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। समारोह में वक्ता के रूप में डॉ. कृपाशंकर मिश्र और 'सांझा-लोकस्वामी' के कार्यकारी संपादक राकेशमणि तिवारी उपस्थित रहे। इसके अलावा युग-प्रवर्तक साहित्य संस्थान के अध्यक्ष दिनेश बैसवारी तथा साहित्य संगम संस्था के संस्थापक राम सिंह की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के आयोजन में पब्लिक विधि महाविद्यालय के निदेशक राजेश दुबे

और नीलम पब्लिकेशन के प्रकाशक एवं कार्यक्रम संयोजक दिनेश आर.वर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

काव्य गोष्ठी में साहित्यकारों ने बांधा समं
साहित्य संगम संस्था के संस्थापक अध्यक्ष राम सिंह के संचालन में आयोजित काव्य गोष्ठी में अनेक साहित्यकारों और कवियों ने अपनी रचनाओं का पाठ किया। इनमें रामस्वरूप साहू, ओबैद आजमी, राम व्यास उपाध्याय, जवाहरलाल निईर, ओमप्रकाश तिवारी, कल्पेश यादव, रवि यादव, जे.पी.सिंह, हरिश्चंद्र सिंह, सूर्यकांत शुक्ला, आलोक द्विवेदी (वाराणसी), प्रेम जौनपुरी, जाकिर हुसैन रहबर और मधु चौधरी सहित कई रचनाकार शामिल रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पब्लिक कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राकेश दुबे तथा सम्माननीय अतिथि के रूप में विष्णु दत्त ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। समारोह में वक्ता के रूप में डॉ. कृपाशंकर मिश्र और 'सांझा-लोकस्वामी' के कार्यकारी संपादक राकेशमणि तिवारी उपस्थित रहे। इसके अलावा युग-प्रवर्तक साहित्य संस्थान के अध्यक्ष दिनेश बैसवारी तथा साहित्य संगम संस्था के संस्थापक राम सिंह की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के आयोजन में पब्लिक विधि महाविद्यालय के निदेशक राजेश दुबे

मुंबई के कार्टर रोड पर 'तिरंगा मार्च' से पहले पुलिस कार्रवाई, हिरासत में लिए गए कई प्रदर्शनकारी



संवाददाता
मुंबई। बांद्रा पश्चिम के कार्टर रोड पर रविवार शाम प्रस्तावित 'तिरंगा मार्च' में शामिल होने पहुंचे कई प्रदर्शनकारियों को मुंबई पुलिस ने हिरासत में ले लिया। यह मार्च दिल्ली में हिरासत में लिए गए या गिरफ्तार किए गए सौरव दास, आशुतोष रंका और अन्य प्रदर्शनकारियों के समर्थन में आयोजित किया गया था। बताया गया कि मुंबई पुलिस ने इस मार्च के लिए अनुमति नहीं दी थी। इसके बावजूद 'कांकरेक जनता पार्टी' (CJP) से जुड़े कुछ समर्थक शाम करीब पांच बजे तिरंगा लेकर कार्टर रोड पहुंचे। पुलिस ने वहां पहुंचते ही कई लोगों को हिरासत में ले लिया। कुछ समर्थकों को कथित तौर पर उनके घरों से बाहर निकलने से भी रोका गया। मार्च में शामिल होने पहुंचे अभिनेता अमीन हाजी को भी पुलिस ने हिरासत में लिया। इससे पहले

शनिवार को सामाजिक कार्यकर्ता और आम आदमी पार्टी की नेता अंजलि दमानिया को खार सबवे के पास हिरासत में लिया गया था, जब वह इस प्रदर्शन में शामिल होने जा रही थीं। अनुमति नहीं मिलने के कारण कार्टर रोड पर पहले से भारी पुलिस बंदोबस्त किया गया था। एक लेन पर बैरिकेड लगाए गए थे, जबकि दूसरी लेन यातायात के लिए खुली गया था। बताया गया कि मुंबई पुलिस ने इस मार्च के लिए अनुमति नहीं दी थी। इसके बावजूद 'कांकरेक जनता पार्टी' (CJP) से जुड़े कुछ समर्थक शाम करीब पांच बजे तिरंगा लेकर कार्टर रोड पहुंचे। पुलिस ने वहां पहुंचते ही कई लोगों को हिरासत में ले लिया। कुछ समर्थकों को कथित तौर पर उनके घरों से बाहर निकलने से भी रोका गया। मार्च में शामिल होने पहुंचे अभिनेता अमीन हाजी को भी पुलिस ने हिरासत में लिया। इससे पहले

Kewal Singh Dhillon to Wear Black Turban Until Justice Is Delivered in Jhota Murder Case Chandigarh

SRINAGAR: Punjab BJP President Kewal Singh Dhillon has announced that he will wear a black turban until justice is delivered in the murder case of young anti-drug activist Parvin-der Singh Jhota. He began wearing a black turban today to register his protest against the Aam Aadmi Party (AAP) government in Punjab. It may be recalled that Dhillon joined the ongoing protest in Mansa on Saturday, demanding justice for Parvin-der Singh Jhota. During his visit, he appealed to the people of Punjab to register their protest by wearing black turbans and black dupattas and carrying black flags until justice is delivered. Parvinder Singh’s father, Sardar Bhim Singh, and the people participating in the protest accepted his appeal. Dhillon said, 'What has happened to a young man who raised his voice against drugs has deeply shaken the people of Punjab. A young man who was fighting to save Punjab’s youth from drugs was brutally murdered. This is not merely the



murder of Parvinder Singh; it is also a murder of law and order in Punjab.' He said he had joined the protest as a member of the bereaved family’s extended family. There, he had urged people to register their protest against what he described as an insensitive and unresponsive government by wearing black and carrying black flags. He has now started wearing a black turban himself and will continue to do so until justice is delivered. Dhillon said the black turban was not merely a piece of clothing but a symbol of protest against the government’s failure. He appealed to all Punjabis to unite and stand up for the

aggrieved family. He said peaceful protests and the struggle for justice would continue until the family received full justice. 'The BJP stands firmly with the family and will raise its voice for justice at every level,' he said. The Punjab BJP president alleged that instead of curbing drugs, the AAP government was trying to silence those who raised their voices against the menace. He said Gulzar Singh of Toor Banjara, who had spoken out against drugs, was earlier driven to suicide, followed by the murder of Parvinder Singh Jhota. Subsequently, Bikramjit Singh from the village of Mari Pannwan in Gurdaspur was also murdered, he added. Dhillon said the government had completely failed to curb drugs and safeguard Punjab’s interests. He demanded that the Chief Minister take moral responsibility for the government’s failure and resign immediately. He warned that the people of Punjab would no longer tolerate the government.

Keralam spa crackdown: 14 cases, five arrests after statewide inspections

KOCHI: Kerala Police have registered 14 cases and arrested five people during surprise inspections at spas across the state, amid heightened scrutiny following the alleged gangrape of a woman offered employment at a spa in Kochi. Notices were issued to 44 establishments for violating rules during ‘Operation Spa’, carried out on the directions of Additional Director General of Police (Law and Order) P Vijayan. Police inspected 586 of the 821 spas identified across Kerala. Kozhikode City accounted for the highest number of cases and arrests, with four cases registered and four people taken into custody. Officers checked 70 of the city’s 87 spas. Pathanamthitta and Alappuzha reported three cases each, while Ernakulam Rural recorded two. One case each was registered in Kottayam and Idukki. The inspections also covered 71 of Malappuram’s 78 spas, 56 of the 58 establishments in Thrissur City and 55 of the 71 in Palakkad. Vijayan said stringent action against establishments violating the law would continue. The operation comes against the backdrop of the Kochi case, in which a woman was allegedly lured to a lodge in Edappally on October 2 with the promise of employment at a spa. Investigators said she was allegedly drugged



and subjected to sexual assault over two days. The case prompted renewed scrutiny of establishments allegedly using spa operations as a cover for criminal activities. Following the incident, Home Minister Ramesh Chennithala publicly assured stringent police action against illegal spas and criminal networks operating under their guise. He said complaints included sexual assault, intimidation, fraud and extortion, and directed the Director General of Police to act firmly. His assurance placed enforcement against illegal spa operations under renewed public scrutiny as police widened inspections across the state and initiated cases and proceedings against establishments found violating rules during the surprise checks.

Delhi Cabinet Clears Go-Delhi Foundation with Rs 50 Crore Initial Budget

NEW DELHI: The Delhi government has approved the establishment of the ‘Go-Delhi Foundation’ to promote startups, innovation and entrepreneurship in the national capital. The decision was taken at a Cabinet meeting chaired by Chief Minister Rekha Gupta. The foundation will be established as a non-profit company under Section 8 of the Companies Act, 2013, and will function under the Delhi government’s Department of Industries.

Through this initiative, the government aims to create a structured pathway for turning ideas into products, research into enterprises, and startups into established businesses. In a statement issued on Sunday, Chief Minister Rekha Gupta said the initiative was intended to strengthen the startup and innovation ecosystem in Delhi while providing integrated support to young people, researchers and entrepreneurs seeking to transform their ideas into



practical products and successful ventures. She added that the government had committed an initial budget allocation of Rs 50 crore for the foundation. CM Rekha Gupta said the initiative marked an impor-

tant step towards bringing together Delhi’s existing entrepreneurial potential, educational institutions and research facilities. She noted that approximately 21,000 startups in Delhi were recognised by the Department for Promotion of Industry and Internal Trade (DPIIT). Through the Go-Delhi Foundation, the government intends to bring these capabilities onto a common platform, with a focus on nurturing new enterprises, attracting investment and

generating employment opportunities. The foundation will help startups and micro, small and medium enterprises (MSMEs) gain access to product engineering services, prototyping facilities, laboratories and testing infrastructure. It will also provide technical guidance, mentorship, incubation support, business assistance and opportunities to connect with investors, helping entrepreneurs transform early-stage concepts into market-ready products.

According to the Chief Minister, this support framework will assist entrepreneurs at various stages of product development, including testing, preparation for certification and market entry. The initiative will also support students and researchers in converting their ideas into tangible products and new business ventures. Assistance with prototyping, intellectual property rights, incubation and industry linkages will be among its key areas of focus.

The foundation is expected to help bring useful technologies developed in research institutions beyond laboratory settings, enabling their practical application and commercial expansion. Access to technical expertise, business guidance and investors will further help innovators develop and scale their products. CM Rekha Gupta said government departments would also be able to present real-world challenges to Delhi’s innovators under the initiative.

दिल्लीतील आंदोलनांमुळे १० दिवसांत व्यापाऱ्यांना ४ हजार कोटींच्या नुकसानाचा अंदाज : प्रवीण खंडेलवाल

नवी दिल्ली: कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कॅट)चे राष्ट्रीय महासचिव आणि खासदार प्रवीण खंडेलवाल यांनी रविवारी सांगितले की, देशाच्या राजधानीत सुरू असलेल्या विरोध प्रदर्शनांमुळे गेल्या दहा दिवसांत व्यापाऱ्यांना सुमारे ४ हजार कोटी रुपयांचे नुकसान सहन करावे लागले आहे. राष्ट्रीय राजधानी नवी दिल्लीमध्ये गेल्या काही दिवसांपासून सुरू असलेल्या विरोध प्रदर्शनांमुळे व्यापारावर होत असलेल्या प्रतिकूल परिणामांबद्दल खंडेलवाल यांनी तीव्र चिंता व्यक्त केली. बाजारपेठांमधील हा व्यवय दीर्घकाळ कायम राहिल्यास दिल्लीत दररोज ४०० कोटी रुपयांपेक्षा अधिक व्यापारावर परिणाम होऊ शकतो, असे त्यांनी सांगितले. खंडेलवाल यांनी दिलेल्या माहितीनुसार, नवी दिल्लीत दररोज सरासरी सुमारे २,२०० कोटी रुपयांचा व्यापार होतो. आण परिस्थितीत राजधानीतील व्यापक व्यापारी व्यवस्था कोणत्याही प्रकारच्या व्यत्ययामुळे विस्कळीत होते. त्यांनी



व्यक्त केलेल्या अंदाजानुसार, दहा दिवसांत व्यापारातील नुकसानीचा हा आकडा ४ हजार कोटी रुपयांच्या मोठ्या स्तरावर पोहोचण्याची शक्यता आहे. संवैधानिक मर्यादांचा उल्लेख करताना खंडेलवाल म्हणाले की, संविधानाच्या अनुच्छेद १९(१)(ए) अंतर्गत नागरिकांना अभिव्यक्तिस्वातंत्र्याचा, तर अनुच्छेद १९(१)(बी) अंतर्गत शांततेने एकत्र येण्याचा मूलभूत अधिकार मिळाला आहे. मात्र, याच संविधानाच्या अनुच्छेद १९(१)(जी) अंतर्गत प्रत्येक नागरिकाला आपल्या पसंतीचा व्यापार, व्यवसाय आणि उपजीविका करण्याचाही समान अधिकार आहे. ते म्हणाले की, लोकशाही अधिकारांचा वापर करताना इतर नागरिकांच्या

आणि व्यापाऱ्यांच्या कायदेशीर अधिकारांचे उल्लंघन होता कामा नये. एका मूलभूत अधिकाराचा उत्सव इतरांच्या रोजीरोटीवर संकट आणणारा ठरू शकत नाही. शांततापूर्ण आंदोलनाचा अधिकार सुरक्षित राहिला पाहिजे; मात्र सर्वसामान्य जनता, व्यापारी आणि कामगारांवर विनाकारण आर्थिक भार पडू नये. खंडेलवाल यांच्या मते, आंदोलनांचा परिणाम केवळ आंदोलनस्थळांपुरता मर्यादित राहत नाही. रस्त्यांवरील दीर्घकाळची वाहतूक कोंडी, ग्राहकांची घटलेली वर्दळ, मालवाहतूकीतील अडथळे आणि व्यापारासाठी मिळणाऱ्या वेळेत कपात यामुळे संपूर्ण पुरवठा साखळी प्रभावित होते. ते म्हणाले की, या परिस्थितीचा सर्वाधिक फटका लहान दुकानदार आणि हातगाडी व रस्त्यावरील विक्रेत्यांना बसतो. विक्री ठप्प झाली तरी त्यांना दुकानाचे भाडे, कर्मचाऱ्यांचे वेतन, विजेचे बिल आणि बँकेचे हप्ते भरावेच लागतात. ऑक्टोबर ते जानेवारी हा संपूर्ण देशात खरेदी-विक्रीचा महत्त्वाचा हंगाम असतो.

जंतर-मंतर हिंसाचाराच्या चौकशीसाठी उच्चाधिकार समितीकडून पोर्टल सुरू

नवी दिल्ली: जुलै २०२६ मध्ये दिल्लीतील जंतर-मंतर आणि दिल्लीबाहेरील विविध ठिकाणी झालेल्या हिंसाचाराच्या घटनांची चौकशी करण्यासाठी सर्वोच्च न्यायालयाने स्थापन केलेल्या उच्चाधिकार समितीने प्रभावित व्यक्तींच्या तक्रारी आणि सूचना स्वीकारण्यासाठी एक पोर्टल सुरू केले आहे. केंद्रीय गृह मंत्रालयाच्या माहितीनुसार, प्रभावित व्यक्ती, पोलीस कर्मचारी आणि इतर संबंधित पक्षांच्या सोयीसाठी समितीने <http://hpec.nic.in> हे पोर्टल सुरू केले आहे. या पोर्टलच्या माध्यमातून प्रभावित व्यक्ती निर्धारित नमुन्यात आपल्या तक्रारी, निवेदने आणि संबंधित कागदपत्रे सादर करू शकतात. सर्वोच्च न्यायालयाच्या १८ ऑगस्ट २०२६ च्या आदेशातील परिच्छेद १२ आणि १३ तसेच १० सप्टेंबर २०२६ च्या आदेशातील परिच्छेद ५(१) मध्ये नमूद केलेल्या सर्व मुद्द्यांची समिती चौकशी करणार आहे.

ग्वाल्हेर अपघातानंतर सीएसपींना हटवले, आठ पोलीस कर्मचारी निलंबित

भोपाळ: मध्य प्रदेशातील ग्वाल्हेर येथे शीतला माता मंदिराजवळ झालेल्या भीषण रस्ते अपघातानंतर राज्य सरकारने महत्त्वपूर्ण कारवाई केली आहे. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव यांच्या निर्देशानुसार, झाशी रोडचे सीएसपी रवी भदोरिया यांना हटवण्यात आले आहे. तीन स्टेशन प्रभारींसह आठ पोलीस अधिकारी आणि कर्मचाऱ्यांना निलंबित करण्यात आले आहे. शनिवारी रात्री सुमारे १:३० वाजता, ग्वाल्हेरमधील चिनौर रोडवरील उतारावर भरधाव वेगाने येणाऱ्या एका ट्रकने शीतला माता मंदिराच्या दर्शनासाठी रंगेत थांबलेल्या भाविकांना चिरडले. या अपघातात पंधरा जणांचा मृत्यू झाला, तर दोन पोलिसांसह २६ जण जखमी झाले. जखमींना जयआरोग्य रुग्णालयात दाखल करण्यात आले आहे. अपघातात भाविकांच्या मृत्यूनंतर, सरकारने पोलिसांची भूमिका आणि सुरक्षा व्यवस्थेसाठी जबाबदारी निश्चित करण्याचे आदेश दिले आहेत. पोलिसांनी ट्रक चालक आणि ट्रक मालकाला अटक केली आहे. अपघातातील निष्काळजीपणाबद्दल मुख्यमंत्र्यांनी झाशी रोडचे सीएसपी



रवी भदोरिया यांना पदावरून हटवण्याचे आदेश दिले आहेत. इतर आठ पोलीस अधिकारी आणि कर्मचाऱ्यांना निलंबित करण्यात आले आहे. मुख्यमंत्र्यांच्या निर्देशानुसार, झाशी रोडचे सीएसपी रवी भदोरिया यांना पदावरून हटवण्यात आले आहे. झाँसी रोड पोलीस स्टेशनचे प्रभारी शक्ती सिंह यादव, अंतरी पोलीस स्टेशनचे प्रभारी गीतेश शर्मा, झाँसी रोड वाहतूक पोलीस स्टेशनचे प्रभारी अभिषेक रघुवंशी, वाहतूक निरीक्षक राघवेंद्र जादोन, हेड कॉन्स्टेबल सुशील द्विवेदी आणि कॉन्स्टेबल किशन खन्ना, अनिल जैतपुरिया व पवन सेंगर यांच्यावरही कारवाई होत आहे. ग्वाल्हेरच्या जिल्हाधिकारी रुचिका चौहान यांनी सांगितले आहे की, या अपघाताचा तपास सुरू आहे. मुख्यमंत्र्यांनी स्पष्ट केले आहे की, कर्तव्यात कसूर करणाऱ्या कोणालाही सोडले जाणार नाही. त्यांनी सोशल

मीडियावर सांगितले की, भाविकांची सुरक्षा सर्वोपरि आहे. कर्तव्यातील हलगर्जीपणा कोणत्याही परिस्थितीत सहन केला जाणार नाही. जबाबदारी निश्चित करून कठोर कारवाई केली जाईल. यापूर्वी, मुख्यमंत्र्यांनी सोशल मीडियावर आर्थिक मदतीची घोषणा केली होती. त्यांनी सांगितले की, राज्य सरकारने मृतांच्या कुटुंबीयांना प्रत्येकी ४ लाख रुपये, गंभीर जखमींना प्रत्येकी २ लाख रुपये आणि इतर जखमींना प्रत्येकी ५०,००० रुपयांची आर्थिक मदत देण्याचे निर्देश दिले आहेत. अपघातानंतर, मंत्री राकेश शुक्ला यांनी जखमींच्या प्रकृतीची विचारपूस करण्यासाठी ट्रामा सेंटरला भेट दिली. त्यांनी सांगितले की, मुख्यमंत्री या घटनेवर बारकाईने लक्ष ठेवून असून त्यांनी जखमी आणि त्यांच्या कुटुंबीयांशी संवाद साधला आहे. अपघातात दोषी आढळलेल्या कोणावरही कारवाई केली जाईल, असेही त्यांनी सांगितले. मंत्र्यांनी असेही सांगितले की, कुटुंबीयांनी पोलीस आणि प्रशासनावर गंभीर आरोप केले असून, त्यांची चौकशी सुरू आहे. सरकारी अधिकारी संपूर्ण प्रकरणाची चौकशी करत आहेत.

डोनाल्ड ट्रम्प यांनी रशियन तेल खरेदीवरील कडक निर्बंध हटवले, भारताला मोठा दिलासा

वॉशिंग्टन: अमेरिकेचे राष्ट्राध्यक्ष डोनाल्ड ट्रम्प यांनी रशियाकडून तेल आणि वायू खरेदी करणाऱ्या देशांवर जड शुल्क लादणारे नवीन नियम तात्पुरते रद्द केले आहेत. यामुळे भारत आणि चीनसारख्या देशांवर १००% पर्यंत शुल्क लादण्याचा धोका टळला आहे. ट्रम्प यांनी अमेरिकेच्या राष्ट्रीय हिताचा हवाला देत हा निर्णय घेतला. पण, याचा अर्थ असा नाही की रशियावरील अमेरिकेचे सर्व निर्बंध उठवले गेले आहेत. गरज भासल्यास हे नियम

पुन्हा लागू करण्याचा अधिकारही ट्रम्प यांनी राखून ठेवला आहे. अमेरिकेला कोणतेही व्यापारी नुकसान होऊ नये, हे सुनिश्चित करण्यासाठी ट्रम्प या कायद्याद्वारे अनेक कठोर उपाययोजना करण्याची योजना आखत होते. या कायद्यानुसार रशियाकडून तेल आणि वायू खरेदी करणाऱ्या देशांवर पूर्ण १००% शुल्क लादले गेले असते. यामुळे रशियासोबत व्यापार करणाऱ्या देशांना मोठे आर्थिक नुकसान झाले असते. दिवंगत सिनेटर लिंडसे ग्रॅहम



हे या कायद्याचे प्रमुख समर्थक होते. युक्रेनचे राष्ट्राध्यक्ष वोलोडिमिर झेलेन्स्की यांच्यावर होणारी टीका

आणि रशिया यांच्यातील जवळीक गेल्या काही काळापासून दिसून येत आहे. ट्रम्प यांनी रशिया आणि युक्रेन या दोन्ही देशांच्या प्रमुखांना युद्ध थांबवण्याचे आवाहन केले आहे. या काळात त्यांनी दोन्ही देशांवर विविध प्रकारे दबाव आणला, पण ते युद्ध टाळू शकले नाहीत. एका कार्यकारी आदेशात, ट्रम्प यांनी जाहीर केले की ग्रॅहम कायद्यांतर्गत असलेले निर्बंध, प्रतिबंध आणि शुल्क यांना सट्टे देण्यात येईल. त्यांनी सांगितले की, काँग्रेसला एक प्रमाणपत्र सादर करण्यात आले

असून, हे राष्ट्रीय हितासाठी उचललेले पाऊल असल्याचे म्हटले आहे. रशिया-संबंधित शुल्कांवरील ही स्थगिती केवळ काही दिवसांपुरतीच असण्याची शक्यता आहे. अध्यक्ष ट्रम्प भविष्यात साधक-बाधक बाबींचा विचार करून हे निर्बंध लागू करू शकतात. त्यामुळे, त्यांच्या ताज्या निर्देशामुळे ही स्थगिती दीर्घकाळ टिकेल की नाही याबद्दल शंका निर्माण झाली आहे. चीननंतर भारत हा रशियन कच्च्या तेलाचा दुसरा सर्वात मोठा खरेदीदार आहे. ग्रॅहम

कायद्याद्वारे, अमेरिका रशियावर कठोर आर्थिक निर्बंध लादू इच्छिते. या कायद्यानुसार, रशियाकडून अतिरिक्त तेल खरेदी करणाऱ्या कोणत्याही देशाला आर्थिक निर्बंधांना सामोरे जावे लागेल. हे निर्बंध रशियाकडून तेल आणि वायू खरेदी करणाऱ्या पहिल्या पाच देशांना लागू होतील. पण, जे देश त्यांच्या एकूण तेलाच्या गरजेपैकी केवळ १५ टक्के आयात करतात, त्यांना सट्टे दिली जाईल. तेल खरेदी करणाऱ्या देशांवर १०० ते ५०० टक्के शुल्क आकारले जाऊ शकते.

राधिका आप्टे और कीर्ति सुरेश की ‘अक्का’ का टीजर जारी

अभिनेत्री कीर्ति सुरेश के जन्मदिन पर उनकी आगामी वेब सीरीज ‘अक्का’ का टीजर रिलीज कर दिया गया है। राधिका आप्टे और कीर्ति सुरेश अभिनीत यह पीरियड ड्रामा थ्रिलर अपनी अलग कहानी और महिला किरदारों के दबदबे वाली दुनिया के कारण चर्चा में है।

वाईआरएफ एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी यह सीरीज 30 अक्टूबर 2026 को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। टीजर में राधिका आप्टे ‘रुद्रा’ और कीर्ति सुरेश ‘भवानी’ के किरदार में दिखाई दे रही हैं।



दोनों अभिनेत्रियां ऐसी प्रभावशाली महिलाओं की भूमिका निभा रही हैं, जिनकी दुनिया में सत्ता, उसूल और आपसी टकराव अहम हैं। कहानी में गैंगस्टर दुनिया के साथ महिलाओं

के वर्चस्व वाले समाज की झलक भी देखने को मिलेगी। ‘अक्का’ की कहानी 1980 के दशक के दक्षिण भारत के काल्पनिक शहर पनूरू में स्थापित है। यह ऐसी दुनिया है,

जहां पीढ़ियों से महिलाओं ने समाज और सत्ता की व्यवस्था को अपने तरीके से बनाया और संभाला है। यहां पुरानी परंपराएं, बदलते सत्ता समीकरण और अंदरूनी दुश्मनियां लगातार संघर्ष को जन्म देती हैं। इस सीरीज में गैंगस्टर कहानी को महिला किरदारों के नजरिए से पेश किया गया है। रुद्रा और भवानी के अलग-अलग विचार और उनके बीच का टकराव कहानी को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। टीजर से संकेत मिलता है कि दोनों किरदारों के फैसले और उनके

आपसी संबंध इस ड्रामा थ्रिलर की दिशा तय करेंगे। राधिका आप्टे ने बताया कि रुद्रा की जटिल शख्सियत और दुनिया को देखने का उसका अलग नजरिया उन्हें इस प्रोजेक्ट की ओर खींच लाया। अभिनेत्री के मुताबिक, किरदारों के बीच विचारों का टकराव और उनके भीतर मौजूद अलग-अलग परतें कहानी को खास बनाती हैं। राधिका ने कीर्ति सुरेश के जन्मदिन पर टीजर रिलीज होने को भी खास बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह मौका सीरीज के लिए शुभ साबित होगा।

ईशा मालवीय ‘तुम मेरे हो’ से करेंगी बॉलीवुड डेब्यू, पहली फिल्म को लेकर हैं उत्साहित

टीवी पर अपनी पहचान बनाने के बाद अभिनेत्री ईशा मालवीय अब बॉलीवुड में कदम रखने के लिए तैयार हैं। फिल्म ‘तुम मेरे हो’ उनके करियर की नई शुरुआत है। बड़े पर्दे पर पहली बार नजर आने को लेकर ईशा के मन में उत्साह के साथ घबराहट भी है। हालांकि, एक्ट्रेस का कहना है कि इस खास मौके की खुशी उनकी नर्वसनेस से कहीं ज्यादा है। बातचीत में ईशा ने अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर कई बातें साझा कीं। उन्होंने बताया कि एक आउटसाइडर के तौर पर हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में मौका मिलना उनके लिए बहुत बड़ी बात है। वह अपनी पहली फिल्म को दर्शकों के सामने लाने का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। ईशा मालवीय ने कहा कि पहली फिल्म होने के कारण वह थोड़ी नर्वस हैं और मन में डर भी है। इसके बावजूद वह इस नए सफर को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उनके मुताबिक, बड़े पर्दे तक पहुंचना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। एक्ट्रेस ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपनी मेहनत और परिवार के सहयोग को भी दिया। उन्होंने कहा कि जिंदगी में जिन मुश्किलों का सामना किया और यहां तक पहुंचने के लिए उनके माता-पिता ने जो परेशानियां झेलीं, अब उन्हें लगता है कि उन प्रयासों



का फल मिल रहा है। ईशा ने यह भी बताया कि कभी-कभी उन्हें अब भी यकीन नहीं होता कि वह सचमुच बॉलीवुड फिल्म का हिस्सा बन गई हैं। फिल्म से जुड़े लोगों के साथ काम करते हुए उन्हें एहसास होता है कि उनका सपना धीरे-धीरे हकीकत बन रहा है। अपनी फिल्म ‘तुम मेरे हो’ के बारे में बात करते हुए ईशा ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह उन दर्शकों को पसंद आएगी, जो पर्दे पर एक सादी और खूबसूरत प्रेम कहानी देखना चाहते हैं। एक्ट्रेस के मुताबिक, दर्शक अक्सर फिल्मों में अच्छी रोमांटिक कहानियों की कमी की शिकायत करते हैं। उनका मानना है कि दर्शकों के लिए ऐसी प्रेम कहानी लेकर आना जरूरी है, जिसमें रोमांस और भावनाओं को जगह मिले। ईशा ने कहा कि फिल्म ‘तुम मेरे हो’ के जरिए इसी तरह की एक सिंपल लव स्टोरी पेश करने की कोशिश की गई है। अब देखना होगा कि दर्शक उनकी इस नई फिल्म को कितना पसंद करते हैं।

स्मिता पाटिल की जयंती पर भावुक हुए बेटे प्रतीक

हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री स्मिता पाटिल की 71वीं जयंती पर उनका परिवार और फिल्म जगत उन्हें भावुक अंदाज में याद कर रहा है। उनके बेटे और अभिनेता प्रतीक स्मिता पाटिल ने सोशल मीडिया पर एक दिल छू लेने वाला संदेश साझा किया। वहीं, राज बब्बर और अभिनेता अवतार गिल ने भी दिवंगत अभिनेत्री की यादें साझा करते हुए उनकी अदाकारी और व्यक्तित्व को श्रद्धांजलि दी। प्रतीक ने इंस्टाग्राम पर अपनी शादी की कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वह अपनी पत्नी और अभिनेत्री प्रिया बनर्जी के साथ नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने अपनी मां को याद करते हुए लिखा कि वह उन्हें अपनी ‘गार्जियन एंजेल’ मानते हैं। प्रतीक के मुताबिक, उन्हें जीवन के हर पल में मां का आशीर्वाद और सुरक्षा महसूस होती



है, खासकर उन मौकों पर जो उनकी पहचान और जीवन को दिशा देते हैं। प्रतीक ने अपने संदेश में मां के साथ अपने गहरे भावनात्मक रिश्ते का जिक्र किया। उन्होंने लिखा कि पीछे मुड़कर देखने पर उन्हें एहसास होता

है कि उनकी मां हमेशा उनके साथ रही हैं, उन्हें आशीर्वाद देती रही हैं और मुश्किलों से बचाती रही हैं। अभिनेता ने अपने रिश्ते को ऊर्जा से जोड़ते हुए लिखा कि ऊर्जा को न तो बनाया जा सकता है और न ही खत्म किया जा सकता है। उनके शब्दों में, मां और बेटे के बीच का जुड़ाव ऐसा है, जो समय और दूरी से परे है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके रिश्ते की चमक कभी फीकी नहीं पड़ेगी और उनका प्यार हमेशा कायम रहेगा। प्रतीक का यह संदेश सोशल मीडिया पर मां के प्रति उनके प्रेम और स्मिता पाटिल की यादों से जुड़े भावनात्मक रिश्ते को सामने लाता है। अभिनेत्री का निधन भले ही दशकों पहले हो गया था, लेकिन उनके बेटे के जीवन में उनकी मौजूदगी आज भी गहराई से महसूस होती है। राज बब्बर ने भी अपनी दिवंगत पत्नी

स्मिता पाटिल की जयंती पर उन्हें याद किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री की एक तस्वीर साझा करते हुए उनके असाधारण अभिनय और संवेदनशील स्वभाव को याद किया। राज बब्बर ने लिखा कि स्मिता में एक दुर्लभ संवेदनशीलता थी। उनका फिल्मी सफर भले ही छोटा रहा, लेकिन उनकी कला ने ऐसी छाप छोड़ी, जो आज भी कायम है। उन्होंने कहा कि स्मिता केवल किरदार नहीं निभाती थीं, बल्कि उनमें अपनी अदाकारी से जान डाल देती थीं। अभिनेता ने यह भी लिखा कि उन्हें स्मिता की गर्मजोशी, असाधारण प्रतिभा और उनके व्यक्तित्व की कई खास बातें आज भी याद आती हैं। उनके मुताबिक, स्मिता की विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी और उनका काम दर्शकों के दिलों को छूता रहेगा।

कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने के लिए डाइट में शामिल करें ये 5 बीज

बदलती जीवनशैली, खानपान की गलत आदतों और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण आजकल बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की समस्या आम होती जा रही है। शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ने से हृदय रोगों का खतरा भी बढ़ सकता है। ऐसे में संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली अपनाना बेहद जरूरी है। डाइट में कुछ ऐसे पौष्टिक खाद्य पदार्थों को शामिल किया जा सकता है, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद करते हैं। इनमें अलसी, चिया, कद्दू, तिल और सूरजमुखी के बीज खास हैं। इन बीजों में फाइबर, ओमेगा-3 फैटी एसिड, हेल्दी फैट, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो दिल की सेहत को बेहतर बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। इन्हें सलाद, दही, ओट्स या अन्य व्यंजनों के साथ आसानी से अपनी रोजाना की डाइट में शामिल किया जा सकता है।



हालांकि, केवल बीज खाने से कोलेस्ट्रॉल की समस्या दूर नहीं होती; इसके लिए संतुलित खानपान, नियमित व्यायाम और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर की सलाह लेना भी जरूरी है।

1. अलसी के बीज

अलसी के बीजों में ALA ओमेगा-3 फैटी एसिड और फाइबर पाया जाता है। अलसी को पीसकर डाइट में शामिल करना चाहिए। आप इसे दही, ओट्स, स्मूदी या आटे में मिलाकर खा सकते हैं। साबुत अलसी की तुलना में पिसी हुई अलसी शरीर के लिए अधिक

फायदेमंद है।

2. चिया सीड्स

छोटे से दिखने वाले चिया सीड्स में फाइबर और हेल्दी फैट भरपूर मात्रा में होती है। इन्हें खाने से पहले पानी में भिगोना बेहतर होता है। सुबह इन्हें दही, ओट्स या स्मूदी में मिलाकर लिया जा सकता है। अगर आप पहली बार चिया ले रहे हैं, तो कम मात्रा से शुरुआत करना बेहतर है।

3. कद्दू के बीज

पंपकिन के बीज में प्रोटीन, फाइबर, मैग्नीशियम और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं।

इन्हें डाइट में शामिल करने का सबसे आसान तरीका है कि इन्हें हल्का रोस्ट करके स्नैक की तरह खाना।

4. तिल

तिल यानी में हेल्दी फैट के साथ कुछ ऐसे प्लांट कंपाउंड पाए जाते हैं, जो संतुलित डाइट का हिस्सा है। आप तिल को चटनी, सब्जी, सलाद या घर की दूसरी डिश में मिलाकर खा सकते हैं। सर्दियों में तिल का इस्तेमाल भारतीय खाने में हमेशा से किया जाता रहा है।

5. सूरजमुखी के बीज

सूरजमुखी के बीजों में विटामिन E, हेल्दी फैट और फाइटोस्टेरॉल जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। इन्हें बिना नमक के स्नैक की तरह खाया जा सकता है। आप इन्हें सलाद, ओट्स या सब्जी की टॉपिंग के तौर पर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे रोज की डाइट में बीजों को शामिल करना आसान हो जाता है।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए BRICS देशों में बनेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस नेटवर्क

18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में एकजुट होकर 'नई दिल्ली घोषणापत्र' को स्वीकार किया गया है। घोषणा में मानसिक स्वास्थ्य के लिए ट्रेनिंग हब और 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' का नेटवर्क बनाने में सहयोग करने पर सहमति बनी है। इसके अनुसार बंगलुरु स्थित 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो साइंसेज' को कोऑर्डिनेटिंग सेंटर बनाया जाएगा।

ब्रिक्स घोषणापत्र में मानसिक स्वास्थ्य का जिक्र

नई दिल्ली घोषणापत्र में कहा गया है कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का यह नेटवर्क ब्रिक्स देशों के बीच मिलकर रिसर्च करने, पॉलिसी पर बातचीत करने, बेहतरीन तरीकों के एक्सचेंज और सबूतों पर आधारित मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाली रणनीतियों पर मिलकर काम करेगा। इससे मानसिक स्वास्थ्य पर मिलकर काम करने के लिए एक मंच मिल जाएगा।

खास समूह चलाएगा नेटवर्क

घोषणापत्र के अनुसार, BRICS के हर सदस्य देश के प्रतिनिधियों का एक खास समूह मिलकर इस नेटवर्क को चलाएगा। यह समूह यह तय करेगा कि प्राइमरी हेल्थकेयर में मानसिक स्वास्थ्य को ठीकाऊ और बड़े पैमाने पर शामिल करने के लिए वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग हासिल करने की दिशा में 'संतुलित फसले लेने और साझा



जवाबदेही' बनी रहे। इसमें संकटों के कारण मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले असर से निपटने के महत्व पर जोर दिया गया है।

बच्चों और कमजोर लोगों के लिए करेगा काम

घोषणापत्र के अनुसार मानसिक रूप से अस्वस्थ लोग विषेकर बच्चों और किशोरों जैसे कमजोर हालात वाले लोगों को समय पैमाने पर शामिल करने के लिए वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग हासिल करने की दिशा में 'संतुलित फसले लेने और साझा

अलावा, यह घोषणा गैर-संचारी रोगों (non-communicable diseases) से जुड़ी उभरती चुनौतियों पर भी ध्यान देती है और 'स्वस्थ जीवन शैली के लिए ब्रिक्स मिशन' तथा 'स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने की संयुक्त पहल के लिए ब्रिक्स रोडमैप (2026-29)' की शुरुआत का समर्थन करती है।

पारंपरिक मेडिसिन को दिया महत्व

घोषणापत्र में पारंपरिक और इंटीग्रेटिव मेडिसिन की बढ़ती अहमियत के बारे में भी बात की गई है। ब्रिक्स देशों का कहना है कि हम सदस्य देशों के बीच बातचीत, सहयोग और आदान-प्रदान के लिए एक मंच के तौर पर, BRICS हेल्थ ट्रेक के तहत TCIM पर BRICS एक्सपर्ट वर्किंग ग्रुप बनाने के प्रस्ताव का स्वागत करते हैं। यह मंच इलाज और बीमारी से बचाव के लिए इस्तेमाल होने वाले औषधीय पौधों और हर्बल उत्पादों पर रिसर्च में तालमेल बिठाएगा।

कैल्शियम की कमी से बचना है तो दूध के साथ इन खाद्य पदार्थों को भी खाएं

अगर आप रोज एक गिलास दूध पीते हैं, तो निश्चित रूप से आपको कैल्शियम मिलता है, लेकिन सिर्फ एक गिलास दूध के भरोसे शरीर की पूरी कैल्शियम जरूरत पूरी हो जाए, यह जरूरी नहीं है। शरीर को कैल्शियम की पर्याप्त मात्रा देने के लिए पूरे दिन के खान-पान पर ध्यान देना जरूरी होता है। आपकी रोज की डाइट में ऐसे खाद्य पदार्थ भी शामिल होने चाहिए, जिनमें कैल्शियम अच्छी मात्रा में पाया जाता है। खासकर उन लोगों के लिए यह और भी महत्वपूर्ण है, जो दूध या डेयरी प्रोडक्ट का सेवन कम करते हैं या किसी वजह से इन्हें अपनी डाइट में शामिल नहीं कर पाते। कैल्शियम केवल हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाने के लिए ही जरूरी नहीं है। यह शरीर की मांसपेशियों के सही तरीके से काम करने, नर्व सिग्नलिंग और कई जरूरी शारीरिक प्रक्रियाओं में भी भूमिका निभाता है। शरीर में मौजूद कैल्शियम का अधिकांश हिस्सा हड्डियों और दांतों में जमा होता है। लंबे समय तक पर्याप्त कैल्शियम

नहीं मिलने पर हड्डियों की मजबूती प्रभावित हो सकती है और आगे चलकर हड्डियों से जुड़ी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। शरीर को कितनी मात्रा में कैल्शियम की जरूरत है, यह हर व्यक्ति के लिए एक जैसा नहीं होता। उम्र, खान-पान और शारीरिक गतिविधि जैसे कई कारक इसमें भूमिका निभाते हैं। ICMR-NIN की 2020 RDA के अनुसार 18 वर्ष से अधिक उम्र के पुरुषों और महिलाओं के लिए रोजाना 1000 mg कैल्शियम की आवश्यकता बताई गई है। ऐसे में केवल दूध पीने पर निर्भर रहने के बजाय डाइट में कैल्शियम के अलग-अलग स्रोतों को शामिल करना बेहतर तरीका हो सकता है। दूध और डेयरी प्रोडक्ट के अलावा रागी, बाजरा, सोया, टोफू, तिल, चना, दाल और कुछ हरी सब्जियों को भी अपनी डाइट का हिस्सा बनाया जा सकता है। इन चीजों को नाश्ते, दोपहर के भोजन, शाम के स्नैक या रात के खाने में आसानी से शामिल किया जा सकता है। इसके साथ ही शरीर कैल्शियम



को कितनी अच्छी तरह अवशोषित करता है, यह भी महत्वपूर्ण है। कैल्शियम के बेहतर एब्जॉर्बेशन के लिए विटामिन D की पर्याप्त मात्रा भी जरूरी होती है। इसलिए अगर आप अपनी हड्डियों को मजबूत और शरीर को स्वस्थ रखना चाहते हैं, तो केवल एक गिलास दूध पीने तक अपनी डाइट को सीमित न रखें। रोज के भोजन में कैल्शियम से भरपूर अलग-अलग खाद्य पदार्थों को शामिल करना और संतुलित डाइट लेना ज्यादा महत्वपूर्ण है। आएं जानते हैं कि दूध के अलावा किन

चीजों में भरपूर कैल्शियम पाया जाता है और रोज की थाली में इन्हें किस तरह शामिल किया जा सकता है।

सिर्फ दूध क्यों नहीं है काफी ?

मसलन आप रोज एक गिलास दूध पीते हैं। इससे कैल्शियम जरूर मिलता है, लेकिन पूरे दिन की जरूरत केवल इसी एक चीज से पूरी नहीं हो सकती है। इसके अलावा दही, पनीर, छाछ, रागी, बाजरा, सोया, टोफू, तिल, दाल, चना और कुछ हरी सब्जियां भी आपके डाइट का हिस्सा होना चाहिए।

तिल है में है भरपूर कैल्शियम

अगर आपकी डाइट में दूध या डेयरी उत्पाद कम है तो तिल एक अच्छा विकल्प हो सकता है। 100 ग्राम तिल में calcium की मात्रा दूध और पनीर की तुलना में अधिक होती है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि रोज 100 ग्राम तिल खाया जाए। आप तिल को सब्जी, चटनी, सलाद, रोटी के आटे या तिल के लड्डू की तरह अपने डाइट में शामिल कर सकते हैं।

कैसे बढ़ाएं कैल्शियम का एब्जॉर्बेशन

शरीर के लिए कैल्शियम रीच फूड खाना ही अनिवार्य नहीं है, उसका एब्जॉर्बेशन भी उतना ही जरूरी है। इसके लिए विटामिन D की भूमिका अहम होती है। एक वयस्क के लिए विटामिन D 600 IU प्रतिदिन होनी चाहिए। इसके लिए बैलेंस फूड, फिजिकल एक्टिविटी और धूप बेहद जरूरी है।

रोज की थाली में क्या रखें ?

अगर आप अपने शरीर में कैल्शियम की मात्रा को सही रखना चाहते हैं, तो दिनभर की डाइट को इस तरीके से बैलेंस कर

सकते हैं।

- **सुबह:** दूध या दही
- **नाश्ते में:** रागी/बाजरा आधारित चीजें जैसे चीला
- **दोपहर:** दाल, सब्जी और रोटी/चावल के साथ दही
- **शाम:** तिल, चना या कुछ नट्स
- **रात:** पनीर, टोफू या सोया के साथ सब्जियां

कैल्शियम की कमी को नजरअंदाज न करें

कैल्शियम सिर्फ हड्डियों के लिए ही नहीं बल्कि यह मांसपेशियों के काम, नर्व सिग्नलिंग और कई दूसरे शारीरिक फंक्शन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शरीर का अधिकांश कैल्शियम हड्डियों और दांतों में जमा होता है। कैल्शियम की कमी होने पर हड्डियां कमजोर होती हैं, जिससे आगे चलकर ऑस्टियोपोरोसिस और फ्रैक्चर का खतरा बढ़ जाता है। अगर आपके शरीर में कैल्शियम बहुत ज्यादा कम है, तो मांसपेशियों में ऐंठन और कमजोरी भी हो सकती है।

कांग्रेस ने राम मंदिर का कभी विरोध नहीं किया: दिग्विजय सिंह

संवाददाता

इंदौर, मध्य प्रदेश। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा है कि कांग्रेस ने अयोध्या में राम मंदिर का कभी विरोध नहीं किया। उन्होंने दावा किया कि मंदिर के ताले कांग्रेस शासन में खुले और शिलान्यास भी उसी दौर में हुआ। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने “वोट चोरी” और “चंदा चोरी” जैसे आरोप लगाए और कहा कि उनकी प्रस्तावित ‘सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा’ के जरिए वे दिन मुहों को जनता के सामने उठाएंगे। दिग्विजय सिंह ने स्पष्ट किया कि इस यात्रा का कांग्रेस पार्टी से सीधा संबंध नहीं है और यह उनकी व्यक्तिगत पहल है।

यात्रा 20 अक्टूबर से उज्जैन के महाकाल मंदिर से शुरू होकर अयोध्या तक जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन करीब 15 किलोमीटर पैदल यात्रा की जाएगी। सुबह और शाम पैदल चलने तथा दिन में विश्राम का कार्यक्रम रहेगा। जरूरत पड़ने पर रात में उठरने के लिए वाहन का उपयोग भी किया जा सकता है। माधव सेवा न्यास की जमीन का मुद्दा उठाया सिंह ने उज्जैन में माधव सेवा न्यास से जुड़ी जमीन और वहां हो रहे निर्माण का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने दावा किया कि यह जमीन पहले आरएसएस की शाखा के उपयोग से जुड़ी रही और बाद के वर्षों



में इसके स्वामित्व व उपयोग को लेकर कानूनी तथा प्रशासनिक प्रक्रियाएं चलीं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के दौरान जमीन फिर संबंधित न्यास को दी गई और अब वहां होटल निर्माण हो रहा है। इन दावों पर संबंधित पक्षों की प्रतिक्रिया सामने आना बाकी है। दिग्विजय सिंह ने चुनाव आयोग से जुड़े मुद्दों पर भी सवाल उठाए और मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रियाओं को लेकर सरकार और आयोग पर राजनीतिक टिप्पणी की। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से जुड़े आदिवासी परिवारों के मकान तोड़े जाने के सवाल पर दिग्विजय सिंह ने इसे “मामा-भांजे की लड़ाई” बताया। दिग्विजय सिंह की ‘सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा’ उज्जैन से शुरू होकर ओरछा होते हुए अयोध्या तक जाने वाली है। यात्रा के आयोजकों के अनुसार, इसका उद्देश्य धार्मिक स्थलों से जुड़े चंदे, संपत्तियों और कथित अनियमितताओं में पारदर्शिता की मांग उठाना है।

ग्वालियर सड़क हादसे पर सीएम मोहन यादव की सख्त कार्रवाई: सीएसपी हटाए गए, तीन थाना प्रभारियों समेत आठ पुलिसकर्मी निलंबित

संवाददाता

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शीतला माता मंदिर के पास हुए भीषण सड़क हादसे के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर पुलिस विभाग में बड़ी कार्रवाई की गई है। झांसी रोड के नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) रवि भदौरिया को पद से हटा दिया गया है, जबकि तीन थाना प्रभारियों सहित आठ पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को निलंबित किया गया है। हादसे में श्रद्धालुओं की मौत के बाद सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस की भूमिका को लेकर सरकार ने जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए हैं।

कार्रवाई के तहत झांसी रोड थाना प्रभारी शक्ति सिंह यादव, आंतरी थाना प्रभारी गीतेश शर्मा और झांसी रोड यातायात थाना प्रभारी अभिषेक रघुवंशी को निलंबित किया गया है। इनके अलावा यातायात निरीक्षक राघवेंद्र जादौन, प्रधान आरक्षक सुशील द्विवेदी तथा आरक्षक किशन खन्ना, अनिल जैतपुरिया और पवन सेगर के खिलाफ भी निरवहन की कार्रवाई की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोपरि है और कर्तव्य में लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जहां भी ड्यूटी में लापरवाही सामने आएगी, वहां संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही तय कर

शीतला माता मंदिर के पास श्रद्धालुओं की मौत के बाद पुलिस की जवाबदेही तय करने के निर्देश, मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख और गंभीर घायलों को दो-दो लाख रुपये की सहायता



कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

मृतकों के परिजनों को चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता
मुख्यमंत्री ने हादसे में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के परिजनों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की है। राज्य शासन की ओर से मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये, गंभीर रूप से घायल अन्य घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने सभी घायलों का नि:शुल्क उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं, ताकि प्रभावित परिवारों पर इलाज का आर्थिक बोझ न पड़े।
ग्वालियर, शिवपुरी और श्योपुर के परिवार प्रभावित
जानकारी के अनुसार, सड़क हादसे से प्रभावित परिवार ग्वालियर के अलावा शिवपुरी और श्योपुर जिलों के भी हैं।

झांसी में मतदाता पंजीकरण का विशेष अभियान, निरीक्षण में चार बूथों के बीएलओ अनुपस्थित, कार्रवाई के निर्देश

देवेश प्रताप सिंह राठौर

झांसी, उत्तर प्रदेश। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार शनिवार को जनपद के सभी विधानसभा क्षेत्रों के मतदान केंद्रों पर मतदाता पंजीकरण का विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 उपलब्ध कराए गए। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी गौरांग राठी ने मऊरानीपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न बूथों का औचक निरीक्षण कर अभियान की प्रगति और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मऊरानीपुर विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 383 से 386 पर नियुक्त बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) अनुपस्थित पाए गए। इस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

चार बूथों पर बीएलओ अनुपस्थित मिलने से नाराज हुए जिलाधिकारी
जिलाधिकारी गौरांग राठी ने मऊरानीपुर में सम्पूर्ण समाधान दिवस के बाद विधानसभा क्षेत्र संख्या 224 के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने सबसे पहले प्राथमिक विद्यालय रेलवे स्टेशन, मऊ देहात के भाग संख्या एक एवं चार का निरीक्षण किया। इस दौरान बूथ संख्या 383 से 386 पर नियुक्त बीएलओ अनुपस्थित मिले।

जिलाधिकारी गौरांग राठी ने मऊरानीपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्रों का किया औचक निरीक्षण, पात्र नागरिकों से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने की अपील

जिलाधिकारी ने इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने कम्पोजिट विद्यालय मैलौनी स्थित बूथ संख्या 390 का निरीक्षण किया, जहां बीएलओ किरण देवी उपस्थित पाई गई। जिलाधिकारी ने उनसे मतदाता पंजीकरण अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली।

कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे
जिलाधिकारी ने कहा कि विशेष अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने संबंधित मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदाता सूची में अपना नाम जांचें। जिन पात्र व्यक्तियों का नाम सूची में दर्ज नहीं है, वे फॉर्म-6 भरकर पंजीकरण के लिए आवेदन करें। उन्होंने विशेष रूप से युवा मतदाताओं से अभियान का लाभ उठाने और मतदाता सूची में अपना

लखनऊ में जलभराव से मिलेगी राहत: गोमती किनारे बनेगा 5.5 किलोमीटर लंबा तटबंध 12 नए पंपिंग स्टेशन होंगे स्थापित

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में गोमती नदी के आसपास स्थित निचले इलाकों, विशेषकर फैजुल्लागंज में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। शनिवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों तथा भविष्य में जलभराव रोकने के लिए प्रस्तावित योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में निर्णय लिया गया कि आईआईएम रोड से पक्कापुल (हार्डिंग ब्रिज) तक गोमती नदी के बाएं तट पर लगभग 5.5 किलोमीटर लंबे तटबंध का निर्माण कराया जाएगा। इसके अलावा नदी का जलस्तर बढ़ने पर नालों से पानी की निकासी बाधित होने की समस्या दूर करने के लिए 12 नए पंपिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। न्याय विहार से एलिडको डैम तक जल निकासी का विस्तृत नेटवर्क भी तैयार किया जाएगा, ताकि भारी बारिश के दौरान आवासीय क्षेत्रों में पानी जमा न हो।

प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने में लापरवाही नहीं होे: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जलभराव प्रभावित परिवारों तक राहत पहुंचाने में किसी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। प्रभावित क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल, भोजन, चिकित्सा, साफ-सफाई और सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था

लगातार बनाए रखी जाए। उन्होंने कहा कि जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करें। जलभराव के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों की तत्काल मरम्मत और सुदृढ़ीकरण के भी निर्देश दिए गए।

फैजुल्लागंज में बनेगा प्री-प्राइमरी से 12वीं तक नया विद्यालय

मुख्यमंत्री ने फैजुल्लागंज क्षेत्र में शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए भी महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्री-प्राइमरी से कक्षा 12वीं तक का एक नया समन्वित शैक्षणिक संस्थान स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा जलभराव प्रभावित क्षेत्र के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) के रूप में उच्चीकृत करने के निर्देश दिए गए हैं। क्षेत्र में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए मौजूदा 33 केवी स्तर की व्यवस्था के स्थान पर 132 केवी का नया विद्युत उपकेंद्र स्थापित करने का भी निर्देश दिया गया।

गोमती नदी का अवरिल और निर्मल प्रवाह सुनिश्चित करें

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोमती नदी लखनऊ की आत्मा है। इसके अवरिल और निर्मल प्रवाह के लिए आवश्यक सभी कदम उठाए जाने चाहिए।

उन्नाव रेलवे स्टेशन का डीआरएम ने किया निरीक्षण अमृत भारत योजना के निर्माण कार्य मार्च तक पूरे करने के लिए निर्देश

संवाददाता
उन्नाव, उत्तर प्रदेश। उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) सुनील कुमार वर्मा ने शनिवार को उन्नाव रेलवे स्टेशन का निरीक्षण कर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे विकास कार्यों की प्रगति और लखनऊ-कानपुर रेलखंड की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक कर निर्माण कार्यों में आ रही तकनीकी समस्याओं को समय रहते दूर करने तथा निर्धारित समयसीमा में परियोजनाओं को पूरा करने के निर्देश दिए। डीआरएम ने स्टेशन परिसर में निर्माणाधीन दो मंजिला भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि चवन के भूतल की कास्टिंग पूरी हो चुकी है, जबकि ऊपरी मंजिल की कास्टिंग का कार्य प्रगति में पर है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण की गुणवत्ता, तकनीकी आवश्यकताओं और कार्य की प्रगति की जानकारी ली।

मार्च तक निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य

सम्पूर्ण समाधान दिवस में 65 शिकायतें पांच का मौके पर निस्तारण

संवाददाता
उन्नाव, उत्तर प्रदेश। तहसील सभागार में शनिवार को उप जिलाधिकारी बृजमोहन शुक्ला की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 65 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से केवल पांच शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया जा सका। शेष 60 शिकायतों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को सौंपते हुए समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए। समाधान दिवस में सबसे अधिक 36 शिकायतें राजस्व विभाग से संबंधित थीं, जिनमें तीन का मौके पर निस्तारण किया गया। समाज कल्याण विभाग की तीन शिकायतों में से दो का समाधान हुआ। इसके अलावा खाद्य एवं रसद विभाग की तीन, विकास विभाग की दस, विद्युत विभाग की तीन और अन्य विभागों से संबंधित दस शिकायतें प्राप्त हुईं।
जमीन की पैमाइश और आदेश का पालन नहीं होने की शिकायत
ग्राम जिरिकपुर निवासी कमलेश से चकबंदी पैमाइश के दौरान गाटा संख्या 511 और 512 में कुल 0.041 हेक्टेयर भूमि कम होने की शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने भूमि की सही पैमाइश करकर समस्या का समाधान कराने की मांग की। वहीं, ग्राम रबड़ी निवासी वासुदेव ने शिकायत की कि वाद संख्या 2306/2023 में 21 जून 2024 को हुए हिस्सा फांड आदेश का अब तक क्रियान्वयन नहीं किया गया है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से आदेश का पालन सुनिश्चित कराने की मांग की।



दो साल से मनरेगा मजदूरी नहीं मिलने का आरोप

ग्राम जोगीकोट निवासी नूरजहाँ और रेशमा ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मनरेगा मजदूरी का भुगतान दो वर्षों बीत जाने के बाद भी नहीं मिलने की शिकायत की। उन्होंने लंबित मजदूरी का भुगतान शीघ्र कराने की मांग की। इसी तरह ग्राम गहरपुरवा निवासी विधवा राजरानी ने आरोप लगाया कि उनकी पट्टे की जमीन पर उनके देवर छोटेलाल ने कब्जा कर लिया है। उन्होंने प्रशासन से जमीन को कब्जामुक्त कराने की गुहार लगाई। उप जिलाधिकारी बृजमोहन शुक्ला ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त शिकायतों को निर्वहण जांच कर उनका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के समाधान में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में तहसीलदार का अब तक क्रियान्वयन नहीं किया गया है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से आदेश का पालन सुनिश्चित कराने की मांग की।

लखनऊ-कानपुर रेलखंड की सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा, आरपीएफ हिरासत में नेपाली युवक की मौत के मामले में कमांडेंट से रिपोर्ट लेने की बात कही



बारे में स्पष्ट जानकारी दी जा सकेगी।

आरपीएफ हिरासत में नेपाली युवक की मौत पर उठे सवाल

लखनऊ-कानपुर रेलखंड के निरीक्षण के दौरान रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की हिरासत में एक नेपाली नागरिक की मौत का मामला भी डीआरएम के सामने उठाया गया। इस दौरान सवाल किया गया कि हिरासत में मौजूद युवक तक नुक़ीली या धारदार वस्तु कैसे पहुंची और गिरानी व्यवस्था के बावजूद उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई। डीआरएम सुनील

राष्ट्रीय ताड़क्वांडो खिलाड़ी सुष्टि अवस्थी बनीं एक दिन की प्राचार्य

संवाददाता

उन्नाव, उत्तर प्रदेश। बंगरमऊ क्षेत्र के ग्राम रसूलपुर रूबी स्थित श्री विश्वम्भर दयाल त्रिपाठी राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के संयुक्त तत्वावधान में नारी सशक्तीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बीएससी तृतीय वर्ष की छात्रा एवं राष्ट्रीय स्तर की ताइक्वांडो खिलाड़ी सुष्टि अवस्थी को प्रतीकात्मक रूप से एक दिन के लिए महाविद्यालय का प्राचार्य बनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और निर्णय लेने की भावना को प्रोत्साहित करना तथा समाज में महिलाओं की भागीदारी के महत्व को रेखांकित करना था। मुख्य अतिथि छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के नवनि्युक्त महाविद्यालय समन्वयक प्रो. डॉ. वी.के. सचान ने कहा कि बेटियों को शिक्षा, खेल और अन्य क्षेत्रों में समान अवसर मिलने पर वे समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने छात्राओं को अपनी प्रतिभा पहचानने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत दुबे ने कहा कि जिस समाज में महिलाओं को सम्मान और आगे बढ़ने के समान अवसर मिलते हैं, वही समाज वास्तविक अर्थों में प्रगतिशील होता है।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार थार पलटी, आगरा के तीन युवकों की मौत

मसूरी घूमने जा रहे थे पांच दोस्त, दो घायल, चालक को झपकी आने की आशंका



संवाददाता

सहारनपुर, उत्तर प्रदेश। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर गांव बेलड़ा जूनारदार के पास रविवार तड़के तेज रफ्तार थार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई। हादसे में आगरा निवासी साहिल तिवारी (25), सक्षम उपाध्याय (22) और राहुल कुमार (25) की मौत हो गई, जबकि उनके दो साथी सचिन वर्मा और हेमंत वर्मा घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, पांचों दोस्त शनिवार रात आगरा से मसूरी घूमने के लिए निकले थे। रविवार तड़के करीब चार बजे गांव बेलड़ा जूनारदार के पास गोल चक्कर पर उनकी थार अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि वाहन करीब 20 फीट रेलिंग तोड़ते हुए दूसरी ओर पलट गया। साहिल और सक्षम करीब 40 फीट नीचे खाई में जा गिरे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को जिला अस्पताल ले जाया गया,

जहां डॉक्टरों ने साहिल, सक्षम और राहुल को मृत घोषित कर दिया। सचिन और हेमंत को उपचार के लिए हर्नी कराया गया। पुलिस के अनुसार, थार हेमंत चला रहा था, जबकि सचिन आगे की सीट पर बैठा था। साहिल, सक्षम और राहुल पीछे बैठे थे। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और चालक को झपकी आने को हादसे की संभावित वजह माना जा रहा है। हादसे से करीब आठ घंटे पहले सक्षम ने अपनी इंस्टाग्राम आईडी पर थार पर बैठे हुए एक वीडियो भी साझा किया था। हादसे के बाद घायल सचिन ने एक अज्ञात नंबर से अपने दोस्त नरेश की बहन को फोन कर घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिजन सहारनपुर पहुंचे। एसपी यातायात शैलेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या तेज रफ्तार के कारण हादसा होने की बात सामने आई है। घटनास्थल पर टीम भेजकर जांच कराई गई है और अन्य संभावित कारणों का भी पता लगाया जा रहा है।